सोशल मीडिया से जुड़ें
Parivehan_Vishesh

Title Code : DELHIN28985.
DCP Licensing Number :
F.2 (P-2) Press/2023

परिवहन विशेष

www.newsparivahan.com

वर्ष 01, अंक 327, नई दिल्ली । शनिवार, 05 फरवरी 2024, मूल्य ₹ 5, पेज 8

देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र

आज का सुविचार

यदि आप बहाने बनाते हैं मतलब सफल तो बनना चाहते हैं लेकिन कार्य करने से जी चुराते हैं। सफलता और बहाने कभी एक साथ नहीं हो सकते।

03 'भाजपा में नहीं जाऊंगा, चाहे कुछ भी हो जाये...', सीएम अरविंद

06 शिवानी सिब्बल के उपन्यास 'सियासत' का लोकार्पण

08 बाइक सवार के सिर पर गिरी हाईटेंशन लाइन, तड़पकर मौत

लखीमपुर खीरी में बने तीन पुलों का नितिन गडकरी ने किया उद्घाटन, घाघरा, शारदा नदी, गोला नगर में और बनेंगे ब्रिज

लखीमपुर खीरी में बने तीन पुलों का नितिन गडकरी ने रविवार को उद्घाटन किया। छाउछ, एलआरपी और राजापुर चौराहे पर तीनों पुल बनाए गए हैं। इससे लोगों को काफी राहत मिलेगी और आवागमन सुविधाजनक हो जाएगा।

उन्होंने कहा कि इन तीन पुलों को केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय कुमार मिश्रा की पहल पर बनवाया गया है। यह तीनों पुल 2024 के निर्धारित समय से दो माह पहले जनवरी में ही बनकर तैयार हो गए।

संजय बाटला

लखीमपुर खीरी: केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने रविवार को ऑनलाइन माध्यम से लखीमपुर खीरी में तीन नए पुलों का उद्घाटन किया। गडकरी ने 297 करोड़ रुपए की लागत से बने जिन आरओबी का उद्घाटन किया वे पीलीभीत-बस्ती राष्ट्रीय राजमार्ग पर छाउछ चौराहे, एलआरपी चौराहे और राजापुर चौराहे पर बनाए गए हैं।

केंद्रीय मंत्री ने एलआरपी क्रॉसिंग पर आयोजित एक कार्यक्रम को ऑनलाइन माध्यम से संबोधित किया। नितिन गडकरी ने क्षेत्रीय सांसद और केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय कुमार मिश्र की सराहना की। उन्होंने कहा कि इन तीन पुलों को केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय कुमार मिश्रा की पहल पर बनवाया गया है। यह तीनों पुल 2024 के निर्धारित समय से दो माह पहले जनवरी में ही बनकर तैयार हो गए। इनके बन जाने से यातायात सुगम होगा और लोगों की सहूलियत होगी।

घाघरा, शारदा और गोला नगर पर बनेंगे पुल

केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय कुमार मिश्रा ने इस मौके पर अपने संबोधन में पुल बनवाने के अनुरोध को स्वीकार करने और रिकॉर्ड समय में इसे बनवाने के लिए गडकरी को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि तीन और पुल प्रस्तावित हैं। इनमें से एक घाघरा नदी पर, दूसरा शारदा नदी पर और दूसरा गोला नगर में बनेगा। मिश्रा ने यह भी बताया कि वर्ष 2014 में केंद्र में नरेन्द्र मोदी सरकार के सत्ता में आने के बाद राष्ट्रीय राजमार्गों के निर्माण काफी तेजी आई है। पहले एक दिन में औसतन 12 किलोमीटर सड़क बनती थी, जो अब बढ़कर 35 किलोमीटर प्रतिदिन हो गई है।

500 से ज्यादा गांव कनेक्ट हुए

उन्होंने बताया कि मोदी सरकार ने 500 और उससे अधिक आबादी वाले गांवों को कंक्रीट की सड़कों से जोड़ा है, जबकि 500 से कम आबादी वाले गांवों को ऐसी ही सड़कों से जोड़ने का काम चल रहा है। कार्यक्रम को उत्तर प्रदेश के लोक निर्माण मंत्री जितिन प्रसाद ने भी ऑनलाइन माध्यम से संबोधित किया और परियोजनाओं के लिए केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी का आभार व्यक्त किया।

> केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय कुमार मिश्रा ने इस मौके पर अपने संबोधन में पुल बनवाने के अनुरोध को स्वीकार करने और रिकॉर्ड समय में इसे बनवाने के लिए गडकरी को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि तीन और पुल प्रस्तावित हैं। इनमें से एक घाघरा नदी पर, दूसरा शारदा नदी पर और दूसरा गोला नगर में बनेगा।

अमृत उद्यान जाने का है प्लान, जानिए दिल्ली, गाजियाबाद और गुरुग्राम से कैसे पहुंच सकते हैं आप

परिवहन विशेष न्यूज

अगर आप आप दिल्ली एनसीआर या उसके पास रहते हैं और अमृत उद्यान तक जाना चाहते हैं, लेकिन रूट का पता नहीं है तो मायूस होने की जरूरत नहीं हैं। आज हम आपको दिल्ली, गाजियाबाद, गुरुग्राम से अमृत उद्यान तक आने का सबसे बेस्ट रूट बताने वाले हैं। जिसकी मदद से आप अमृत उद्यान तक पहुंच जाएंगे...

नई दिल्ली: अगर आपको भी नेचर से लगाव है और फूलों की खुशबू पसंद है तो आपके लिए सबसे बेस्ट जगह दिल्ली का अमृत उद्यान। यहां पर आपको फूलों की अलग- अलग 159 वैरायटी के साथ रंग - बिरंगे फूल देखने के मिलने वाले हैं। ऐसे में अगर इन फूलों की खुशबू में खोना चाहते हैं तो आप राष्ट्रपति भवन के अमृत उद्यान आ सकते हैं। इस बार अमृत उद्यान को 2 फरवरी से आम लोगों के लिए खोल दिया गया है। आइए जानते हैं कि आप कैसे इस फूलों की वादियों तक पहुंचेंगे।

दिल्ली से कैसे पहुंचे अमृत उद्यान तक

अगर आप दिल्ली में रहते हैं तो आपके लिए अमृत उद्यान पहुंचना काफी आसान है। इसके लिए आपको बस और ट्रेन दोनों सुविधाएं मिल जाएंगी। अगर आप बस से अमृत उद्यान जाना चाहते हैं तो आप को दिल्ली के किसी भी कोने से केंद्रीय टर्मिनल की बस पकड़नी होगी। अमृत उद्यान तक पहुंचने के लिए ये टर्मिनल सबसे करीब है। यहां पर 408EXTCL, 604, 720, 720A, 722, 729, 770ALTD, 793, 810 नंबर की बसें चलती हैं। अगर आप ट्रेन से भी जाना चाहते हैं तो आपको हजरत निजामुद्दीन जाना होगा उसके बाद वहां से चलने वाली 64090 EMU पकड़नी होगी।

अगर आप उत्तम नगर से अमृत उद्यान जाना चाहते हैं तो आप ब्लू लाइन मेट्रो पकड़ सकते हैं। जिसे आपको पटेल नगर छोड़ना होगा। उसके बाद वहां येलो लाइन से आपको केंद्रीय सचिवालय वाली मेट्रो पकड़नी होगी। केंद्रीय सचिवालय मेट्रो

स्टेशन उतरकर आप वहां से पैदल 13 मिनट में अमृत उद्यान पहुंच सकते हैं।

गाजियाबाद से अमृत उद्यान कैसे पहुंचे

अगर आप गाजियाबाद से दिल्ली के अमृत उद्यान पहुंचना चाहते हैं तो आप मेट्रो और बस और ट्रेन तीनों की मदद से यहां आ सकते हैं। इसके लिए आपको सबसे पहले गाजियाबाद रेलवे स्टेशन से दिल्ली के लिए ट्रेन पकड़नी होगी। रेलवे स्टेशन से उतरकर आपको पास में ही मेट्रो स्टेशन पहुंचना होगा। आप पैदल- पैदल मेट्रो स्टेशन तक पहुंच सकते हैं। वहां येलो लाइन मेट्रो पकड़ कर केंद्रीय सचिवालय मेट्रो स्टेशन पहुंच सकते हैं। वहां से बाहर निकलकर पैदल आप अमृत उद्यान पहुंच जाएंगे।

अगर आप बस से अमृत उद्यान आना चाहते हैं तो आप गाजियाबाद से दिल्ली तक बस से आ सकते हैं। वहां से आपको कृषि भवन की बस पकड़नी होगी। जो 19 मिनट में आपको कृषि भवन उतार देगी। वहां से आप पैदल 15 मिनट में टहलते हुए अमृत उद्यान पहुंच सकते हैं।

अगर आप मेट्रो की मदद से गाजियाबाद से अमृत उद्यान आना चाहते हैं तो आपको सबसे पहले अपने घर से शहीद स्थल न्यू बस अड्डा पहुंचना होगा। यहां से रेड लाइन मेट्रो पकड़कर आप कश्मीरी गेट जाएंगे। वहां से आपको येलो लाइन की मदद से सेंट्रल सेकेट्रिएट मेट्रो पहुंचना होगा। यहां उतरकर आप पैदल अमृत उद्यान पहुंच जाएंगे।

गुरुग्राम से कैसे पहुंचे अमृत उद्यान

अगर आप गुरुग्राम से अमृत उद्यान आना चाहते हैं तो सबसे पहले आपको गुरुग्राम से पालम आना होगा यहां तक आप ट्रेन और ऑटो से आ सकते हैं। यहां से आपको द्वारका फ्लाईओवर की तरफ 50 मीटर चलना होगा। वहां से आपको आरके पुरम सेक्टर 1 के लिए बस मिलेगी। आर के पुरम सेक्टर 1 से 5 मिनट पैदल चलकर आप केंद्रीय सचिवालय पहुंच जाएंगे। वहां स आप 6 मिनट की दूरी पर अमृत उद्यान है। गुरुग्राम से अमृत उद्यान कार से जाने का सबसे सुविधाजनक तरीका है। यात्रा में लगभग 50 मिनट में आप अमृत उद्यान पहुंच जाएंगे।

कितने का है अमृत उद्यान का टिकट

अमृत उद्यान तो आप बताए गए रास्तों से पहुंच जाएंगे लेकिन उद्यान के अंदर प्रवेश करने के लिए टिकट की जरूरत होगी। टिकट आप ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों ही तरीकों से खरीद सकते हैं। आप राष्ट्रपति भवन की वेबसाइट पर जाकर भी टिकट बुक कर सकते हैं। इसके साथ ही आप राष्ट्रपति भवन पहुंचकर भी टिकट खरीद सकते हैं। हालांकि बता दें कि एंट्री टिकट का कोई चार्ज नहीं है, लेकिन उद्यान भवन में जाने से पहले आपको बुकिंग करनी होगी जिसमें बताना होगा कि आप कितने लोग जा रहे हैं। टिकट मिलने के बाद आपको अमृत उद्यान जाने के लिए गेट नंबर 35 से एंट्री लेनी होगी। यहां पर टिकट चेक करवा कर आप एंट्री ले सकते हैं। बता दें कि अमृत उद्यान सुबह 10 बजे से शाम को 4 बजे तक खुला रहता है।

अमृत उद्यान में क्या नहीं ले जा सकते हैं ?

अगर आप अमृत उद्यान जा रहे हैं तो सबसे पहले जान लें कि आप वहां पर क्या-क्या नहीं ले जा सकते हैं। आप अमृत उद्यान में घर से खाने -पीने का सामान नहीं ले जा सकते हैं। इसके साथ ही पानी, बीड़ी , सिगरेट, गुटखा जैसी चीजें भी उद्यान में ले जाना वर्जित है। अगर आप अमृत उद्यान में फोटो खींचना चाहते हैं तो आपको अपने मोबाइल से फोटो खींचना होगा क्योंकि यहां पर कैमरा ले जाना वर्जित है। वहीं अगर आपके साथ कोई छोटा बच्चा है तो आप उसके लिए पानी की बोलत और दूध की बोतल ले जा सकते हैं।

दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेस वे पर बस से टकराकर कार डिवाइडर से भिड़ी, पांच लोग घायल, दो की हालत गंभीर

परिवहन विशेष न्यूज

सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया। जहां से गंभीर रूप से घायल आतिफ व समीर को दिल्ली जीटीबी अस्पताल रेफर कर दिया गया।

गाजियाबाद के वेवसिटी थाना क्षेत्र अंतर्गत दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेस वे पर रविवार सुबह 8:30 बजे मुजफ्फरनगर से दिल्ली एयरपोर्ट जा रही वैगनआर कार बस से टकराकर अनियन्त्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। टक्कर होने के बाद कार सवार पांच युवक घायल हो गये और कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। पुलिस सूचना पाकर घटनास्थल पर पहुंची और घायलों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां से दो को गंभीर अवस्था में दिल्ली जीटीबी अस्पताल रेफर कर दिया गया, तीन को उपचार के बाद घर भेज दिया। पुलिस को अभी कोई तहरीर नहीं मिली है।

एसीपी सलोनी अग्रवाल ने जानकारी देकर बताया कि रविवार सुबह 8:30 बजे दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेस वे पर कार दुर्घटनाग्रस्त होने की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। वैगनआर कार में पांच लोग दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेस वे पर मुजफ्फरनगर से दिल्ली एयरपोर्ट के लिये जा रहे थे। जब कार वेवसिटी थाना क्षेत्रांतर्गत बम्हेटा पेट्रोल पम्प के सामने पहुंची तो कार चालक ने बस से ओवरटेक किया तो आगे जा रही रोडवेज की बस से टकराकर कार अनियन्त्रित होकर डिवाइडर से जा टकराई। कार में सवार मुजफ्फरनगर निवासी आतिफ (23 वर्ष) पुत्र सलीम निवासी दधेडू, समीर (17) पुत्र मरकूब, खुशहाल (38) पुत्र इकबाल व अमजद (40) पुत्र ईकराम निवासीगण बागोवाली नई मंडी तथा आसिफ (35) पुत्र अफजाल निवासी सैदनंगली मुजफ्फरनगर घायल हो गये।

सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया, जहां से गंभीर घायल आतिफ व समीर को दिल्ली जीटीबी अस्पताल रेफर कर दिया गया। बाकी तीनों को प्राथमिक उपचार के बाद घर भेज दिया गया। एसीपी सलोनी अग्रवाल ने बताया कि आतिफ व समीर गम्भीर घायल हैं उनको इलाज के लिए जीटीबी अस्पताल रेफर कर दिया गया है। अन्य तीन व्यक्तियों को प्राथमिक उपचार के बाद घर भेज दिया गया है। वैगनआर का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया है। कार को क्रेन की मदद से एक्सप्रेस-वे से हटाकर थाना कंपाउंड में खड़ी कर दी है। अभी कोई तहरीर नहीं मिली है, तहरीर मिलने पर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

टेंपल्स ऑफ लिबरलाइजेशन एंड वेलफेयर एलाइड ट्रस्ट (पंजीकृत)
TOLWA
website : www.tolwa.in
Email : tolwadelhi@gmail.com
bathlasanjaybathla@gmail.com
रजिस्टर्ड अंडर सैक्शन 60 विद रजिस्ट्रेशन नंबर (152/02-03-2020), एमएसएमई रजिस्ट्रेशन नंबर उद्यम -डीएल - 0026470, नीति आयोग रजिस्ट्रेशन नंबर वीओ/एनजीओ/0303274/25-01-2022 दर्पण
रजिस्टर्ड कार्यालय :- 3, प्रियदर्शिनी अपार्टमेंट, ए -4 पश्चिम विहार, न्यू दिल्ली 110063
कॉरपोरेट कार्यालय :- 529, समयपुर, मेंन बवाना रोड, नियर बैंक ऑफ़ बड़ौदा दिल्ली 110042

बस यात्रियों को उनके गंतव्य तक ले जाती हैं ये लड़की, बिना सैलरी चलाती है बस

अधिकतर लड़कों को गाड़ियों का शौक होता है। वह अक्सर ही सड़क पर बाइक और कार चलाते नजर आ जाते हैं। लेकिन लड़कियां भी अब ड्राइविंग के मामले में किसी से कम नहीं। आज के दौर में महिलाएं केवल अपनी सहूलियत के लिए कार या बाइक नहीं चलातीं, बल्कि करियर के तौर पर प्लेन, ट्रेन या सड़कों पर ऑटो रिक्शा तक चलाती हैं। परिवहन निगम की बस की स्टेरिंग भी महिलाओं के हाथों में आ चुकी है। ऐसी ही एक लड़की है, जो अपने शौक को पूरा करने के लिए बस चलाती हैं। ये लड़की केरल की रहने वाली है और कॉलेज से छुट्टी के दिनों में बस की स्टेरिंग अपने हाथों में लेना पसंद करती है। चलिए जानते हैं केरल की इस लड़की के बारे में, जिसे बस चलाना है पसंद।

कोच्चि के लॉ कॉजेल की छात्रा हैं मैरी

केरल के कोच्चि की रहने वाली 21 साल की एन मैरी अंसालेन इन दिनों चर्चा में हैं। वह एर्नाकुलम लॉ कॉलेज से पढ़ाई कर रही हैं। हालांकि एन मैरी अंसालेन को बस चलाने का शौक है। अपने इस शौक को पूरा करने के लिए वह कॉलेज से छुट्टी वाले दिन बस चलाने के लिए जाती हैं। केरल की ये छात्रा हर रविवार को कक्कानाड-पेरुम्बदप्पू मार्ग पर बस लेकर निकलती हैं। इस रास्ते में ट्रैफिक भी ज्यादा होता है और सवारी भी।

भारी वाहन चलाने का है शौक

मैरी को केवल बस ही नहीं, सभी तरह के बड़े और भारी वाहनों को चलाना पसंद हैं। उन्होंने लॉरी, ट्रक भी चलाई है। महज 15 साल की उम्र से उन्होंने ड्राइविंग करनी शुरू कर दी थी। सबसे पहले उन्होंने पिता की बुलेट चलानी सीखी। 18 साल की उम्र में कॉलेज जाने के बारे उनका इंतजार तब खत्म हुआ, जब उन्हें ड्राइविंग लाइसेंस मिला।

छुट्टी वाले दिन चलाती हैं बस

कॉलेज आने के बाद मैरी ने बस चलाना शुरू किया। वह मुफ्त में बस चलाकर सवारियों को उनके गंतव्य तक छोड़ती हैं। शाम को बस ड्राइवर पेट्रोल पंप पर बस को खड़ा करके चला जाता है। क्लास होने के बाद जब मैरी घर वापस जाती हैं, तो पेट्रोल पंप से बस चलाते हुए बस के मालिक तक पहुंचती हैं। बस के मालिक मैरी के पड़ोसी हैं। जब मैरी ने पहली बार बस चलाई, तो लोग एक लड़की को बस चलाता देख चौक गए। कई लोग एक महिला को बस ड्राइव करते देख डर जाया करते थे। हालांकि अब मैरी को बस चलाते हुए आठ महीने हो चुके हैं और यात्री मैरी को बस चलाता देखने के आदी हो चुके हैं।

हेलो गर्ल्स! दिल्ली में यहां मिलते हैं ठंड के सबसे ट्रेंडी कपड़े, सस्ता भी... क्वालिटी भी; दोस्तों के साथ बना लें प्लान

दिल्ली में कड़ाके की ठंड के बीच अपने फैशन को और निखारें. इसके लिए आपको अपने वॉर्डराब में वैसे ट्रेंडी क्लोथ्स के कलेक्शन को भी रखना होगा, जिससे आप हर दिन खुद को खूबसूरत फील करें. आईए आज हम आपको दिल्ली की उन मार्केट को खुमाते हैं, जहां आप अपने फैशन के लायक कपड़ों को आसानी से खरीद सकते हैं...

ठंड में ट्रेंडी कपड़े खरीदने के लिए सबसे अच्छी जगह मजनू का टीला (एमकेटी) मार्केट है.

इसे दिल्ली का मिनी तिब्बत भी कहा जाता है. यहां उत्तम दर्जे के फैशन स्टोर है. यहां पर युवाओं की भारी भीड़ देखी जाती है. अगर आप सही दाम में शॉपिंग करना चाहती हैं तो आपको इस मार्केट को अपने लिस्ट में जरूर शामिल कर ले.

इस कॉलोनी को 1950 के आसपास स्थापित किया गया था. यहां फुटवियर से लेकर आपको हर खाने-पीने की चीजें भी मिल जाएंगी. साल की शुरुआत होने से पहले यहां ट्रेंडी कपड़े मिलने लगते हैं.

यहां कुछ ऐसे शॉप भी हैं, जो थोड़े महंगे हैं. ऐसा इसलिए क्योंकि यहां के सेलर काफी दूर से हैंडमेड स्टफ को उठाकर लाते हैं.

यहां मिलने वाले ठंड के कपड़ों की क्वालिटी बहुत बेहतरीन मानी जाती है. यहां आपको स्टाइलिश लुक के साथ गर्म रखने वाली जैकेट, स्कर्ट, कोट, स्वेटर भी मिल जाएंगे.

इस मार्केट में दिल्ली विश्वविघालय के बच्चों की भीड़ ज्यादा होती है. यहां के लोग अपने कल्चर को प्रमोट करने वाले प्रोडक्ट्स को भी बेचते हैं, जिसे यंग लोग काफी खरीदना पसंद करते हैं.

बच्चा होने के बाद महिलाएं इस परेशानी का हो सकती हैं शिकार, वक्त रहते कर लें उपाय, वरना बिगड़ जाएगी कंडीशन

पोस्टपार्टम डिप्रेशन की समस्या इन दिनों कॉमन होती जा रही है.पोस्टपार्टम डिप्रेशन की समस्या इन दिनों कॉमन होती जा रही है.

डॉ. बंदना सोढ़ी
फोर्टिस ला फेम हॉस्पिटल

पोस्टपार्टम डिप्रेशन एक गंभीर समस्या है, जो तमाम महिलाओं को बच्चे को जन्म देने के बाद हो जाती है. इस कंडीशन से करीब 15 प्रतिशत महिलाएं प्रभावित होती हैं. पोस्टपार्टम डिप्रेशन के दौरान महिलाएं बार-बार रोने लगती हैं और उन्हें अत्यधिक तनाव हो जाता है. इससे छुटकारा पाना बेहद जरूरी है. महिलाओं के लिए मां बनना एक सुखद अहसास होता है. प्रेग्नेंसी के दौरान उन्हें कई उतार-चढ़ाव से गुजरना पड़ता है और तब जाकर उन्हें संतान सुख मिल पाता है. हालांकि बच्चा होने के बाद भी बड़ी संख्या में महिलाएं परेशान हो जाती हैं और कई तरह की समस्याओं का शिकार हो जाती हैं. इसमें से एक पोस्टपार्टम डिप्रेशन है, जिसे PPD भी कहा जाता है. करीब 15 प्रतिशत महिलाएं बच्चे के जन्म के बाद इस समस्या का शिकार हो जाती हैं और उनकी फिजिकल व मेंटल हेल्थ बुरी तरह प्रभावित होती है. पोस्टपार्टम डिप्रेशन होने पर महिलाएं इमोशनल हो जाती हैं और बार-बार रोने लगती हैं. उन्हें हर वक्त थकान महसूस होती है और बिना किसी बात के टेंशन होती रहती है. इसकी वजह से बच्चे की देखभाल सही तरीके से नहीं कर पाती हैं.

दिल्ली के ग्रेटर कैलाश स्थित फोर्टिस ला फेम हॉस्पिटल के ऑब्स्टेट्रिक्स एंड गायनेकोलॉजी डिपार्टमेंट की डायरेक्टर डॉ. बंदना सोढ़ी कहती हैं कि पोस्टपार्टम डिप्रेशन एक कॉमन मूड डिसऑर्डर है, जो बच्चे को जन्म देने के बाद करीब 15 प्रतिशत महिलाओं को प्रभावित करता है. इसकी वजह से महिलाओं को परेशानियों का सामना करना पड़ता है. बच्चे के जन्म के बाद महिलाओं को हॉर्मोनल, फिजिकल, इमोशनल और सोशल चेंजेस से गुजरना पड़ता है, जिसकी वजह से यह परेशानी पैदा हो सकती है. यह समस्या महिलाओं के अलावा पैदा होने वाले बच्चे को प्रभावित कर सकती है, ऐसे में इसे नजरअंदाज नहीं करना चाहिए और डॉक्टर से मिलकर इलाज कराना चाहिए.

इन लक्षणों से कर सकते हैं PPD की पहचान

डॉ. बंदना सोढ़ी के अनुसार पोस्टपार्टम डिप्रेशन के कई लक्षण नजर आते हैं, जिनकी पहचान करना बेहद जरूरी है. अगर कोई महिला बच्चे को जन्म देने के बाद दुखी, निराश महसूस कर रही है या खुद को दोषी समझ रही है, तो यह इस समस्या का लक्षण है. अत्यधिक चिंता करना या घबराहट महसूस होना, अपनी पसंदीदा चीजों में इंट्रेस्ट खत्म होना, खाना न खाना, हमेशा थका हुआ महसूस करना, नींद आने में परेशानी होना या बिना किसी वजह से रोना, सुसाइड करने का खयाल आना या बच्चे को लेकर अत्यधिक चिंतित महसूस करना पोस्टपार्टम डिप्रेशन के प्रमुख लक्षण हैं.

क्या है इस परेशान का इलाज और बचाव

एक्सपर्ट की मानें तो सभी महिलाओं की कंडीशन के अनुसार पोस्टपार्टम डिप्रेशन का इलाज किया जाता है. कई महिलाओं को एंटी डिप्रेशन दवाएं दी जाती हैं, जबकि कुछ लोगों को साइकोलॉजिकल ट्रीटमेंट के जरिए रिकवर होने में मदद की जाती है. पोस्टपार्टम डिप्रेशन के गंभीर मामले रेयर ही होते हैं और डॉक्टर की मदद लेकर इससे रिकवर होना आसान है. इससे बचने के लिए हेल्दी डाइट, प्रॉपर एक्सरसाइज, बाहर घूमना और लोगों से बातचीत करना, सेल्फ केयर, घरेलू कामकाज और अपनी पंसद की एक्टिविटी करनी चाहिए. अगर आप इसे लेकर पहले से ही सावधान रहेंगे, तो बचाव किया जा सकता है.

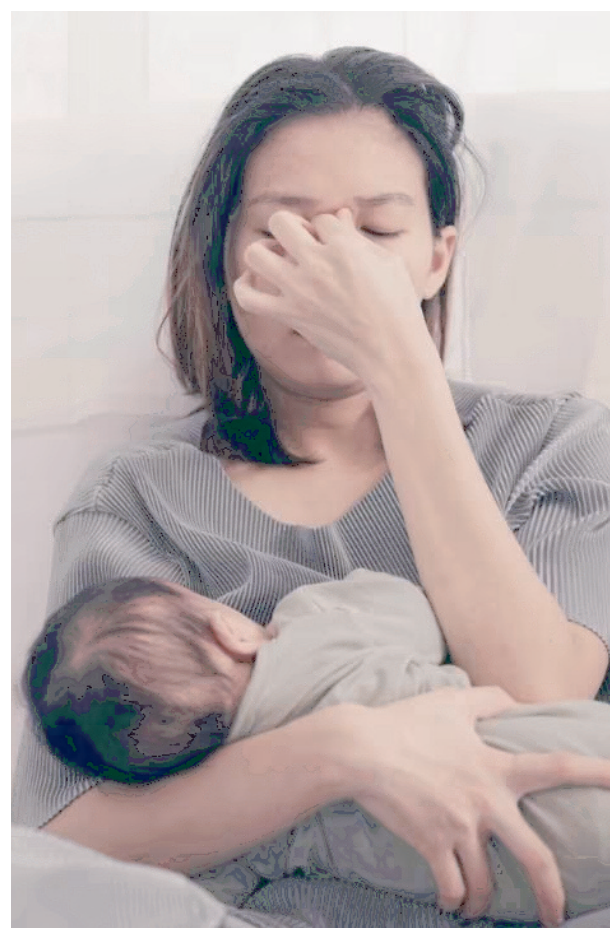

क्या दूध के साथ आयरन की गोली लेना सेहत के लिए खतरनाक? यह भ्रम या सच्चाई, डॉक्टर से जान लें हकीकत

Iron Tablet And Milk Gap: डॉक्टर प्रेग्नेंट महिलाओं और अन्य लोगों को आयरन की कमी पूरा करने के लिए आयरन की गोलियां लेने की सलाह देते हैं. अधिकतर लोग आयरन की गोलियां लेते समय कई जरूरी बातों का ध्यान नहीं देते हैं, जिसकी वजह से उन्हें फायदा नहीं होता है. आज डॉक्टर से जानेंगे कि आयरन की गोलियां किस तरह खानी चाहिए.

आयरन हमारे शरीर के लिए जरूरी पोषक तत्व होता है और इसकी कमी होने से कई परेशानियों का सामना करना पड़ता है. आयरन की कमी होने पर डॉक्टर लोगों को इसकी गोलियां देते हैं, ताकि जल्द से जल्द शरीर में इसकी कमी को पूरा किया जा सके. आमतौर पर गर्भवती महिलाओं, छोटे बच्चों और कुछ मेडिकल कंडीशन से जूझ रहे लोगों को भी आयरन की गोलियां खाने की सलाह दी जाती है. हालांकि कुछ लोग आयरन की गोलियों को दूध के साथ लेने लगते हैं. अब सवाल है कि क्या आयरन की गोलियों को दूध के साथ लेना नुकसानदायक होता है? आखिर इन गोलियों को कब और किस तरह खाना चाहिए? चलिए इस बारे में डॉक्टर से हकीकत जान लेते हैं. नई दिल्ली के सर गंगाराम हॉस्पिटल के प्रीवेंटिव हेल्थ एंड वेलनेस डिपार्टमेंट की डायरेक्टर डॉ. सोनिया रावत के मुताबिक दूध के साथ आयरन की गोलियों को नहीं खाना चाहिए. ऐसा करने से शरीर में उनका अब्जॉर्प्शन नहीं होता है और गोलियां खाने का कोई फायदा नहीं होता है. आयरन की टेबलेट को चाय या कॉफी के साथ भी नहीं लेना चाहिए. ऐसा करने से लोगों को किसी तरह का फायदा नहीं होगा. दूध के साथ आयरन की गोली लेने का कोई गंभीर खतरा तो नहीं है, लेकिन इससे दवा बेअसर हो जाती है और शरीर को कोई फायदा नहीं मिलता है.खासतौर से प्रेग्नेंट महिलाओं को इस तरह की गलती नहीं करनी चाहिए, वरना गर्भ में पल रहे बच्चे को पर्याप्त मात्रा में आयरन नहीं मिल पाएगा. इससे गर्भवती महिला और गर्भ में पल रहे बच्चे का स्वास्थ्य प्रभावित होगा.

सर्दियों में क्यों बढ़ जाता है घुटनों का दर्द? जानें वजह

सर्दियों में क्यों बढ़ जाता है घुटनों का दर्द? जानें वजहआगे देखें...

कैसे लेनी चाहिए आयरन की गोलियां?

डॉ. सोनिया रावत रहती हैं कि आयरन की गोलियों को हमेशा पानी या विटामिन सी से भरपूर जूस के साथ लेना चाहिए. आप ऑरेंज जूस के साथ आयरन की टैबलेट्स लेंगे तो सबसे ज्यादा फायदा होगा. इसके अलावा आयरन की टेबलेट लेने के 2 घंटे बाद ही दूध पीना चाहिए. आयरन की गोली और खाने में भी 2 घंटे का गैप रखना चाहिए. अगर आपने खाना खा लिया है तो कम से कम 2 घंटे बाद आयरन की दवा लें. इस दवा की डोज और दवा लेने का समय आप अपने डॉक्टर से पूछ सकते हैं. खुद से दवा की डोज में कोई बदलाव न करें.

केले के साथ आयरन टेबलेट लेना सेफ

डॉक्टर की मानें तो कई बार आयरन की दवा लेने के बाद प्रेग्नेंट महिलाओं को उल्टी की शिकायत होने लगती है. ऐसे में अगर आप इस दवा को केले के साथ लेंगे, तो इससे किसी भी तरह के साइड इफेक्ट नजर नहीं आएंगे और उल्टी से भी काफी हद तक राहत मिल जाएगी. इसके अलावा एक और जरूरी बात यह है कि लोगों को आयरन और कैल्शियम की दवा एक साथ नहीं लेनी चाहिए और इनमें भी कुछ घंटे का अंतर रखना चाहिए. एक साथ ये दवाएं लेने से शरीर को नुकसान हो सकता है. ऐसे में सावधानी बरतें.

'भाजपा में नहीं जाऊंगा, चाहे कुछ भी हो जाये...', सीएम अरविंद केजरीवाल बोले- जब तक जनता साथ, कोई कुछ नहीं बिगाड़ सकता

परिवहन विशेष न्यूज

किराड़ी में दो स्कूल के शिलान्यास के मौके पर केजरीवाल ने लोगों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि जब भी कोई शुभ काम करने जाते हैं विपक्षी विरोध करने पहुंच जाते हैं। एक समय था जब सरकारी स्कूलों से लोगों को उम्मीद नहीं थी लेकिन आज लोगों के अंदर उम्मीद जगी है। वे कुछ भी कर ले लेकिन हम कभी भी बीजेपी में शामिल नहीं होंगे।

दिल्ली। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि सारी एजेंसी को हमारे पीछे छोड़ दिया गया है। सभी लोगों ने हमारे खिलाफ षड़यंत्र किये लेकिन हमने काम करना नहीं छोड़ा। उन्होंने कहा कि केजरीवाल को चाहे जेल में डाल दो, हम स्कूल व अस्पताल बनाते रहेंगे। उन्होंने यह भी कहा, 'भाजपा में नहीं जाऊंगा, चाहे कुछ भी हो जाए। भावुक होकर लोगों से आशीर्वाद मांगा और कहा कि जबतक आप सभी का साथ है, कोई कुछ नहीं बिगाड़ सकता।'

किराड़ी में दो स्कूल के शिलान्यास के मौके पर केजरीवाल ने लोगों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि जब भी कोई शुभ काम करने जाते हैं, विपक्षी विरोध करने पहुंच जाते हैं। एक समय था, जब सरकारी स्कूलों से लोगों को उम्मीद नहीं थी, लेकिन आज लोगों के अंदर उम्मीद जगी है।

उन्होंने कहा कि चार नए स्कूल में दस हजार बच्चों की शिक्षा का लाभ मिलेगा। डीडीए की जमीन पर यह निर्माण कार्य होगा। 10 स्कूल को पहले बेहतर बनाया और अब नए 10 स्कूल बनेंगे तो कुल 20 स्कूल हो जाएंगे। डीडीए और शिक्षा विभाग का धन्यवाद किया। इन स्कूलों में शानदार लैबोरेटरी, पुस्कालय और अन्य सुविधाएं मिलेंगीं। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार पूरे देश के लिए शिक्षा का बजट चार प्रतिशत खर्च कर रही है, जबकि दिल्ली सरकार 40 प्रतिशत बजट खर्च करती है।

मनीष सिसोदिया के योगदान को किया याद

उन्होंने कहा कि दिल्ली के लोगों को अपना परिवार मानता हूं। जो शिक्षा मेरे देश ने मुझे और बच्चों को दी वैसी ही शिक्षा देश के सभी बच्चों के लिए चाहता हूं। क्षेत्र में स्वास्थ्य सुविधा बेहतर हुई है। किराड़ी में अभी 20 मोहल्ला क्लिनिक हैं और जल्द ही अस्पताल भी बनेगा। इस मौके पर केजरीवाल ने कहा कि आज लोग हमारे पीछे पड़े हैं। उन्होंने मनीष सिसोदिया को याद किया और बताया आज उनके योगदान से ही शिक्षा के क्षेत्र में बदलाव आए हैं।

केजरीवाल के समर्थन में भी हुई नारेबाजी

उन्होंने कहा कि कच्ची कॉलोनी के लोगों के साथ सबसे अधिक राजनीति हुई है। वादों को पूरा नहीं किया गया, लेकिन हमने किराड़ी में सड़कें बनवाई। 75 सालों में किसी भी दल ने यहां सड़क नहीं बनवाई। इस दौरान लोगों ने समर्थन में नारे लगाए, केजरीवाल संघर्ष करो हम तुम्हारे साथ हैं।

केजरीवाल के बाद अब आतिशी के घर पहुंची क्राइम ब्रांच की टीम, विधायकों की खरीद-फरोख्त का है मामला

आम आदमी पार्टी (आप) की ओर से बीजेपी पर विधायकों को खरीदने की कोशिश करने के आरोप का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। ताजा मामले में दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच की टीम आज रविवार को दिल्ली सरकार में मंत्री और आम आदमी पार्टी की नेता आतिशी के आवास पर पर पहुंची है। पुलिस अधिकारी आरोप के संबंध में नोटिस देने के लिए आतिशी के घर पहुंचे हैं।

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) की ओर से बीजेपी पर विधायकों को खरीदने की कोशिश करने के आरोप का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। ताजा मामले में दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच की टीम रविवार को दिल्ली सरकार में मंत्री और आम आदमी पार्टी की नेता आतिशी के आवास पर पर पहुंची है।

क्राइम ब्रांच के पुलिस अधिकारी भाजपा के खिलाफ ₹आप विधायकों को खरीदने की कोशिश करनेर के आम आदमी पार्टी के आरोप के संबंध में नोटिस देने के लिए आतिशी के घर पहुंचे हैं। इससे पहले शनिवार को विधायकों की खरीद-फरोख्त मामले को लेकर क्राइम ब्रांच की टीम नोटिस देने के लिए दिल्ली के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल के घर पहुंची थी।

आतिशी भी खुद रिसीव नहीं करेंगी नोटिस

दिल्ली सीएम अरविंद केजरीवाल के साथ ही कैबिनेट मंत्री आतिशी भी दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच का नोटिस स्वयं रिसीव नहीं करेंगी। आतिशी ने अपने कैंप ऑफिस के अधिकारी को नोटिस रिसीव करने के निर्देश दिए हैं।

क्या है मामला?

बता दें कि दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच आम आदमी पार्टी के उस आरोप की जांच कर रही है जिसमें आप ने भाजपा पर उनकी सरकार गिराने के लिए 25-25 करोड़ में उनके विधायक खरीदने का प्रयास करने का आरोप लगाया है। इसी मामले में पुलिस सबूत मांगने के लिए सरकार को नोटिस दे रही है।

दिल्ली-NCR में मौसम ने बदली करवट, कई इलाकों में झमाझम बारिश; जानिए अगले 2 दिनों के मौसम का हाल?

दिल्ली एनसीआर में मौसम के मिजाज में एक बार फिर बदलाव देखने को मिला है। एनसीआर में आज कई इलाकों में बारिश हुई। मौसम विभाग ने यलो अलर्ट जारी किया है और लोगों को चेतावनी दी है कि तेज हवा के साथ बौछारें भी पड़ सकती है। दिन में 25 से 35 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से हवा चलेगी।

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली सहित एनसीआर में मौसम ने करवट बदली है। पश्चिम विक्षोभ सक्रिय होने के कारण सुबह के न्यूनतम तापमान में बढ़ोतरी हुई है। वहीं रात से ही दिल्ली के कई इलाकों में बारिश हो रही है। मौसम विभाग ने यलो अलर्ट जारी किया है और लोगों को चेतावनी दी है कि तेज हवा के साथ बौछारें भी पड़ सकती है। दिन में 25 से 35 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से हवा चलेगी।

सोमवार को भी आकाश में बादल छाए रह सकते हैं। इसके बाद आकाश साफ होगा। तब न्यूनतम तापमान में एक बार फिर तीन से चार डिग्री सेल्सियस की गिरावट हो सकती है।

नीचे जा सकता है तापमान

इससे मंगलवार से सुबह के वक्त फिर ठंड बढ़ सकती है और न्यूनतम तापमान दस डिग्री सेल्सियस से नीचे पहुंच सकता है। मौसम विभाग के अनुसार रविवार सुबह दिल्ली का न्यूनतम तापमान 11.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इस वजह से सुबह में ठंड से राहत रही। अधिकतम तापमान 19 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है।

गौरतलब है कि एक दिन पहले दिल्ली का अधिकतम तापमान 23.2 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 6.7 डिग्री सेल्सियस था। रविवार को दिल्ली में सुबह साढ़े आठ बजे तक 2.6 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। दिल्ली के ज्यादातर इलाकों में बारिश हुई है।

खराब श्रेणी में हवा की गुणवत्ता

दिल्ली में आज सुबह एयर इंडेक्स 253 रहा। इससे हवा की गुणवत्ता खराब श्रेणी में बनी हुई है। बारिश होने से एयर इंडेक्स में भी सुधार होने की संभावना है। इससे प्रदूषण से राहत मिलेगी।

'बगैर नोटिस दिए ध्वस्तीकरण की कार्रवाई डीडीए नहीं कर सकती', दिल्ली HC का फैसला

दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा कि बगैर नोटिस के डीडीए अपनी मर्जी से ध्वस्तीकरण की कार्रवाई नहीं कर सकता। दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा है कि दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) अपनी मर्जी से कोई तोड़फोड़ नहीं कर सकता है और ऐसी कार्रवाई शुरू करने से पहले कारण बताओ नोटिस जारी करना चाहिए और किसी पक्ष द्वारा उठाए गए जवाब या आपत्तियों पर फैसला करना चाहिए।

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा है कि दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) अपनी मर्जी से कोई तोड़फोड़ नहीं कर सकता है और ऐसी कार्रवाई शुरू करने से पहले कारण बताओ नोटिस जारी करना चाहिए और किसी पक्ष द्वारा उठाए गए जवाब या आपत्तियों पर फैसला करना चाहिए। न्यायमूर्ति जसमीत सिंह की पीठ ने उक्त टिप्पणी के साथ याचिककर्ता बाल किशन गुप्ता की याचिका स्वीकार करते हुए डीडीए को करोल बाग इलाके में स्थित उसके घर को ध्वस्त करने से रोक दिया।

अदालत ने डीडीए को कानून की उचित प्रक्रिया का पालन किए बिना गुप्ता को संपत्ति से बेदखल करने से रोक दिया। अदालत ने याची को पूर्व सूचना या कारण बताओ नोटिस के बिना ध्वस्त करने की डीडीए की कार्रवाई को प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों के विरुद्ध बताया। याची ने दावा किया कि ध्वस्तीकरण की कार्रवाई से पहले उन्हें कोई कारण बताओ नोटिस या सूचना नहीं दी गई थी।

बिना बताए कार्रवाई को बताया गलत

अदालत ने नोट किया कि याची ने एक पंजीकृत बिक्री विलेख के तहत संपत्ति पर कब्जा लिया था। इसलिए पूर्व सूचना या कारण बताओ नोटिस के बगैर ध्वस्तीकरण की डीडीए की कार्रवाई प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों का उल्लंघन थी।

कोर्ट ने डीडीए के दावे को किया खारिज

वहीं, डीडीए ने दावा किया कि याचिकाकर्ता एक अनधिकृत कब्जेदार था और उसका संपत्ति पर कोई अधिकार नहीं था। इस वजह से ध्वस्तीकरण की कार्रवाई वैध थी। डीडीए के तर्क को ठुकराते हुए अदालत ने कहा कि यह निर्विवाद है कि याची को अधिकारियों के समक्ष अपना पक्ष पेश करने की अनुमति नहीं दी गई।

केशवपुरम इलाके में एक मकान में सिलेंडर में लगी आग... अंदर फंसी रह गई बुजुर्ग महिला की पुलिस ने बचाई जान

बाहरी दिल्ली के केशवपुरम थाना क्षेत्र में एक घर में अचानक आग लग गई। इस दौरान 62 वर्षीय एक बुजुर्ग महिला अंदर फंसी रह गई। आग लगने के सूचना पर आनन-फानन में मौके पर पहुंचे दिल्ली पुलिस के जवानों ने उसे सुरक्षित बाहर निकाला। जानकारी के मुताबिक करीब 45 मिनट की मशक्कत के बाद फायर ब्रिगेड ने आग पर काबू पा लिया।

बाहरी दिल्ली। केशवपुरम थाना क्षेत्र के डी ब्लाक में बीते शनिवार देर रात एक घर में सिलेंडर में आग लग गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने तुरंत बिल्डिंग को खाली कराया।

45 मिनट में पाया आग पर काबू

वहीं, एक कमरे में फसी बुजुर्ग को पुलिस के जवानों ने लोगों की मदद से बाहर निकाल पास के ही एक अस्पताल में भर्ती कराया। जहां बुजुर्ग महिला का इलाज जारी है।

पुलिस के आलाधिकारी के मुताबिक बुजुर्ग को कमरे से सुरक्षित निकालते समय तीन पुलिसकर्मी भी मामूली रूप से घायल भी हो गए। सूचना पर पहुंची आठ दमकल की गाड़ियों ने 45 मिनट में आग पर काबू पाया।

उत्तरी-पश्चिमी जिला पुलिस उपायुक्त जितेंद्र कुमार मीना ने बताया कि एक घर में सिलेंडर में आग लगने की सूचना मिलते ही केशवपुरम थाना पुलिस की टीम मौके पर पहुंच गई। सब इंस्पेक्टर नवीन कुमार, हेड कांस्टेबल अनीश कुमार, नरेंद्र कुमार और अमित कुमार मौके पर पहुंचते ही इमारत को तुरंत खाली कराया।

तीसरी मंजिल पर लगी थी आग

वहीं, तीसरी मंजिल पर एक कमरे में फंसी एक 62 वर्षीय बुजुर्ग महिला सरोज महाजन को यहां से सुरक्षित निकाल दीपचंद बंधु अस्पताल में भर्ती कराया। कुछ देर बाद करीब 12 पुलिस के जवान के साथ केशवपुरम एसएचओ भी मौके पर पहुंच गए। फायर ब्रिगेड और बिजली कर्मचारी भी मौके पर पहुंच गए।

बचाव के दौरान हेड कांस्टेबल अनीश कुमार, नरेंद्र कुमार और अमित को मामूली चोट आई। बुजुर्ग सरोज महाजन चलने और सांस लेने में असमर्थ थी। घायल पुलिसकर्मियों को प्राथमिक उपचार के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। इस पूरे मामले में पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरु कर दी है। शुरुआती जांच में पुलिस को पता चला कि आग तीसरी मंजिल पर एक सिलेंडर में लगी थी।

इस वर्ष 75वें गणतंत्र दिवस समारोह के उपलक्ष्य में विद्यालय के प्रांगण में विद्यार्थियों द्वारा विभिन्न रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए।

'जब तक सूरज-चांद रहेंगे, तब तक दिखता रहेगा प्रभु श्रीराम का चमत्कार...', दिल्ली में बोले पंडित धीरेंद्र शास्त्री

परिवहन विशेष न्यूज

पंडित धीरेंद्र शास्त्री ने कहा कि जब तक विश्व में सूरज चांद रहेंगे तब तक प्रभु श्रीराम का चमत्कार दिखता रहेगा। अनंत बलवंत परम संत अंजना नंदन श्री हनुमान के चरणों में सेवा करने से जीवन में कोई कष्ट नहीं रहता है। उन्होंने कहा कि नफरत के नहीं हम प्रेम के आदी हैं गर्व से कहते हैं कि हम हिंदुत्व वादी हैं।

पूर्वी दिल्ली। करतार नगर स्थित चौथे पुश्ते पर आयोजित बाबा बागेश्वर धाम सरकार के पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र शास्त्री की श्री हनुमंत कथा के तीसरे व अंतिम दिन की शुरुआत सत्यम शिवम सुंदरम भजन के साथ हुई। 'ईश्वर सत्य है, सत्य ही शिव है, शिव ही सुंदर है' के उद्घोष से पूरा पंडाल भक्तिमय हो गया और श्रद्धालु मीठी-मीठी तालियों के साथ झूमते नजर आए।

करतार नगर के सामने यमुना खादर स्थित मैदान में श्रद्धालुओं को श्री हनुमंत कथा सुनाते बागेश्वर धाम सरकार के पीठाधीश्वर धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री।

'नफरत के नहीं, हम प्रेम के आदी'

पंडित धीरेंद्र शास्त्री ने कहा कि जब तक विश्व में सूरज चांद रहेंगे, तब तक प्रभु श्रीराम का चमत्कार दिखता रहेगा। अनंत, बलवंत, परम संत, अंजना नंदन श्री हनुमान के चरणों में सेवा करने से जीवन में कोई कष्ट नहीं रहता है। उन्होंने कहा कि नफरत के नहीं हम प्रेम के आदी हैं, गर्व से कहते हैं कि हम हिंदुत्व वादी हैं।

बड़ी संख्या में जुटे श्रद्धालु

उन्होंने भक्तों के सामने अपनी नई पुस्तक 'सनातन धर्म क्या है' भी प्रस्तुत की। भक्तों से कहा कि धर्म के ज्ञान से व्यक्तित्व में काफी बदलाव आता है। व्यक्ति रिश्तों का महत्व समझता है, दूसरों की गलतियां क्षमा करना सीखता है और भाव भी जानता है।

पंडित धीरेंद्र शास्त्री ने कहा कि दूसरों के सुख में जो अपना सुख मान ले, वही सज्जन होता है। कथा के दौरान सीताराम-हनुमान, राधे-राधे के जयकारों का उद्घोष गूंजता रहा। कथा के तीसरे दिन पंडाल में लाखों की संख्या में मौजूद श्रद्धालुओं ने बाबा के चरणों में नमन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। 'जिसकी लागी रे लगन भगवान में, उसका दीया जलेगा तूफान में' जैसे भजनों पर भक्त मंत्रमुग्ध होकर झूमते रहे।

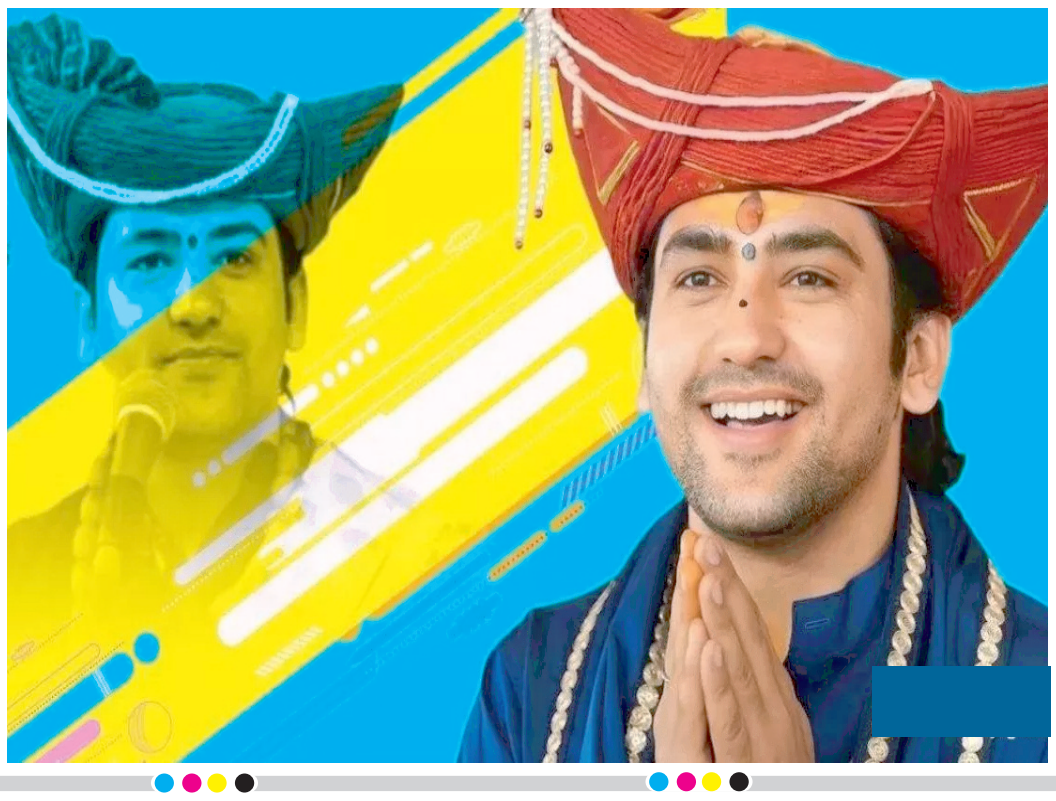

एम्स में मरीजों को आसानी से मिलेगा इलाज, सभी केंद्रों में शुरू होंगे आयुष्मान सुविधा केंद्र

इससे एम्स में इलाज के लिए पहुंचने वाले आयुष्मान भारत-पीएमजेएवाई के लाभार्थी मरीजों को इलाज में आसानी होगी। दिल्ली में आयुष्मान भारत योजना लागू नहीं है। एम्स में बड़ी संख्या में दूसरे राज्यों के मरीज इलाज के लिए पहुंचते हैं। इसलिए दूसरे राज्यों के आयुष्मान भारत के आयुष्मान भारत के लाभार्थी के इस योजना के तहत एम्स में इलाज का प्रविधान है।

नई दिल्ली। एम्स में आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जनआरोग्य योजना (पीएमजेएवाई) के लाभार्थियों की मदद के लिए आयुष्मान सुविधा केंद्र बढ़ाए जाएंगे। इसके तहत एम्स के सभी ब्लाक और केंद्रों में आयुष्मान सुविधा केंद्र शुरू किए जाएंगे।

संस्थान के निदेशक डॉ. एम श्रीनिवास ने 31 मार्च तक सभी ब्लाक और केंद्रों में यह सुविधा शुरू करने का निर्देश अस्पताल प्रबंधन को दिया है। इससे एम्स में इलाज के लिए पहुंचने वाले आयुष्मान भारत-पीएमजेएवाई के लाभार्थी मरीजों को इलाज में आसानी होगी।

दिल्ली में आयुष्मान भारत योजना लागू नहीं है। एम्स में बड़ी संख्या में दूसरे राज्यों के मरीज इलाज के लिए पहुंचते हैं। इसलिए दूसरे राज्यों के आयुष्मान भारत के लाभार्थी के इस योजना के तहत एम्स में इलाज का प्रविधान है।

गेट नंबर-1 के पास बनाए गए आयुष्मान सुविधा केंद्र

इसके लिए एम्स के मुख्य प्रवेश गेट (गेट नंबर एक) के पास आयुष्मान सुविधा केंद्र बनाए गए हैं। जहां आयुष्मान भारत के लाभार्थी मरीजों को इलाज में मदद की जाती है। लेकिन मौजूदा समय में एम्स में सिर्फ यह एक केंद्र होने के कारण मरीजों को परेशानी होती है।

मस्जिद मोठ के पास हैं चार नए ब्लाक

एम्स में मुख्य अस्पताल के अलावा आंख, हृदय, न्यूरो व कैंसर की बीमारियों के लिए अलग-अलग केंद्र है। इसके अलावा हादसा पीड़ितों के लिए अलग ट्रामा सेंटर है। साथ ही मस्जिद मोठ के पास चार नए ब्लाक हैं। जिसमें नया ओपीडी ब्लाक, सर्जरी ब्लाक, मातृ एवं शिशु ब्लाक व राष्ट्रीय वृद्धजन केंद्र शामिल है।

बुध ग्रह - पन्ना रत्न

रत्न शास्त्र में सभी 9 ग्रहों के लिए अलग-अलग रत्न बताए गए हैं। हर रत्न का जीवन पर अलग-अलग प्रभाव पड़ता है। ज्योतिष शास्त्र में ₹बुध ग्रह₹ को मजबूत करने के लिए और इसके शुभ प्रभाव के लिए ₹पन्ना रत्न₹ धारण करने की सलाह दी जाती है।

यदि रत्न उचित समय पर व पूरे शास्त्र सम्मत तरीके से पहना जाए तो निश्चित उसका बड़ा लाभ प्राप्त हो सकता है।

बुध ग्रह व्यापार, बुद्धि, गणित विषय, वाणी व तर्क शक्ति का कारक ग्रह है। जब यह कुंडली में मजबूत होता है तो संबंधित सभी वस्तुएं का सुख प्राप्त होता है।

आइये जानते हैं पन्ना धारण करने की विधि और फायदे-:

किस धातु में पहने पन्ना-:

पन्ना अच्छी क्वालिटी का सोने या चांदी की अंगूठी में पहनना चाहिए। और इसे ₹ कनिष्ठा उंगली (Little Finger)₹ में धारण करना चाहिए।

पन्ना कितनी रत्ती का होना चाहिए-:

कोई भी रत्न उचित वजन का ही पहनना चाहिए, तभी व रत्न लाभ करता है। वजन का निर्धारण करने के लिए आपके ग्रह का बल और आपके वजन इत्यादि के अनुपात से रत्न का वजन तय किया जाता है।

इस दिन धारण करना चाहिए पन्ना-:

पन्ना धारण करने के लिए सबसे उत्तम दिन शुक्ल पक्ष का बुधवार माना गया है। इसे ज्येष्ठा, अश्लेषा, रेवती नक्षत्र में पहन सकते हैं।

जबकि इसे धारण करने के लिए ₹सबसे छोटी उंगली₹ और शुभ मुहूर्त का चयन करना चाहिए।।

पन्ना के साथ ना पहने ये रत्न-:

पन्ना के साथ मोती, मूंगा, पुखराज नहीं पहनना चाहिए। पन्ना के साथ हीरा, नीलम धारण करना सर्वोत्तम होता है।।

पन्ना किसके लिए है अच्छा नहीं है-:

हमेशा विशेषज्ञ को कुंडली दिखाकर ही रत्न धारण करना चाहिए और वैसे मेष, कर्क, सिंह, वृश्चिक, धनु और मीन लग्न के जातकों को पन्ना धारण नहीं करना चाहिए।

अच्छे भाव में बुध है तो पन्ना जरूर पहनें-: बुध ग्रह का पन्ना रत्न मिथुन, कन्या, तुला, मकर, कुंभ लग्न वाले धारण कर सकते हैं।

यदि बुध आपके शुभ भावों में विराजमान हैं जैसे- 1/3/4/5 /9/ 10/ 11 भाव में है तो आपके लिए पन्ना रत्न काफी लाभप्रद होता है

किसे धारण करना चाहिए पन्ना-:

ज्योतिष शास्त्र के मुताबिक वृषभ, मिथुन, कन्या, मकर, तुला, और कुंभ लग्न के जातकों को पन्ना धारण करना लाभकारी साबित होता है।।

पन्ना पहनने से पहले कुछ सावधानियां अनिवार्य-:

रत्न धारण करने से पहले यह देख लें कि कहीं 4, 9 और 14 तिथि तो नहीं है. इन तिथि को रत्न धारण नहीं करना चाहिए। यह भी ध्यान रखें कि जिस दिन रत्न धारण करें उस दिन गोचर का चंद्रमा आपकी राशि से 4,8,12 में ना हो।

रत्न धारण करने की कुछ विशेष सावधानी-:

अमावस्या/ ग्रहण/ संक्रान्ति/ राहुकाल/ भद्राकाल/ रिक्ता तिथि/ कुयोग तिथि/ ग्रह से विपरीत होरा/ संधिकाल/ व किसी अशुभ नक्षत्र में रत्न धारण ना करें।

पूर्ण अवलोकन के बाद ही रत्न धारण करें-: रत्न धारण करने से पहले लग्न चार्ट/चंद्र कुंडली/ चलित बल और नवमांश कुंडली चार्ट जरूर देखें। तदोपरांत ही रत्न धारण करने की सलाह दें।।

जीवन में इन चीजों से हैं परेशान तो पहनें पुखराज

गुरु ग्रह को मजबूत करने के लिए कई ज्योतिष उपाय हैं, उनमें से एक उपाय है गुरु ग्रह का शुभ रत्न पुखराज धारण करना. पुखराज को पहनने से कुंडली में गुरु की स्थिति मजबूत होती है. आइए जानते हैं पुखराज पहनने के फायदे और उसे धारण करने के नियम के बारे में.

ज्योतिष शास्त्र में गुरु ग्रह का बड़ा महत्व है. इसके बिना मांगलिक कार्यों का होना संभव नहीं है. गुरु ग्रह के कमजोर होने या गुरु दोष होने से व्यक्ति को सफलता, शिक्षा, विवाह, यश में कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ता है. वह व्यक्ति बहुत ही कठिनाई से शिक्षा प्राप्त करता है, उसके कार्य का यश नहीं मिलता है. जो कार्य करता है, उसमें वह असफल हो जाता है. गुरु के कमजोर होने से विवाह में देरी होती है. गुरु ग्रह को मजबूत करने के लिए कई ज्योतिष उपाय हैं, उनमें से एक उपाय है गुरु ग्रह का शुभ रत्न पुखराज धारण करना. पुखराज को पहनने से कुंडली में गुरु की स्थिति मजबूत होती है. तिरुपति के ज्योतिषाचार्य डॉ. कृष्ण कुमार भार्गव से जानते हैं पुखराज पहनने के फायदे और उसे धारण करने के नियम.

पुखराज पहनने के फायदे

1. पीले रंग का पुखराज पहनने से व्यक्ति को शिक्षा के क्षेत्र में सफलता प्राप्त होती है. उसके ज्ञान और बुद्धि में वृद्धि होती है.

2. जो लोग पुखराज पहनते हैं, उनको धन लाभ, संतान सुख, यश और कीर्ति की प्राप्ति होती है. उनका दांपत्य जीवन भी खुशहाल रहता है. घर पर मांगलिक कार्यों के योग बनते हैं.

3. यदि आपके विवाह में देरी हो रही है या वैवाहिक जीवन में समस्याएं आ रही हैं तो आपको पीला पुखराज धारण करना चाहिए. पुत्र कामना के लिए भी लोग पुखराज पहनते हैं.

4. आपके काम में सफलता नहीं मिल रही है, आपके परिवार की उन्नति रूक गई है, सुख और सौभाग्य की कमी है तो आप पुखराज पहन सकते हैं.

5. पुखराज पहनने से व्यक्ति के अंदर

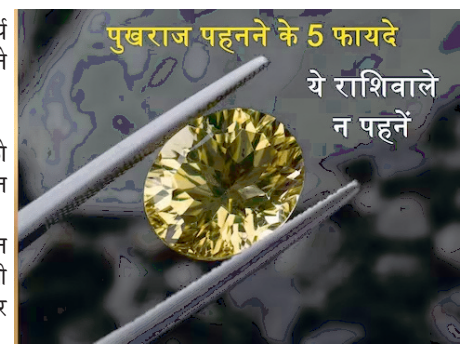

आध्यात्म बढ़ता है. योग, साधना की तरफ मन अग्रसर होता है. मानसिक शांति भी प्राप्त होती है.

पुखराज पहनने के नियम

1. सबसे पहले आपको यह जानना होगा कि आपकी कुंडली में गुरु की स्थिति कैसी है. उसके बाद सही रत्ती के पुखराज को पहनना होगा.

ये भी पढ़ें: 7 अगस्त को कर्क में शुक्र का गोचर, 4 राशिवालों को रहना होगा सावधान ! 57 दिन तक रह सकते हैं परेशान

2. असली पुखराज के लिए ज्योतिषाचार्य की मदद लें. फिर उसे सोने की अंगुठी में जड़वाकर पहनें. पुखराज को तर्जनी अंगुली में पहना जाता है.

3. पुखराज को आप गुरुवार के दिन सुबह के समय शुभ मुहूर्त में पहन सकते हैं. इसके अलावा पुष्य नक्षत्र, द्वितीया, एकादशी और द्वादशी तिथि में से किसी भी दिन पुखराज धारण कर सकते हैं.

घर की इस दिशा में लगाएं शीशा, होंगे मालामाल!

घर की इस दिशा में लगाएं शीशा, होंगे मालामाल !आगे देखें...

4. वृष, कन्या, तुला, मकर और मिथुन राशि वाले लोगों को पुखराज नहीं पहनना चाहिए. कर्क, मेष, सिंह, वृश्चिक, धनु और मीन राशि के जातक पुखराज धारण कर सकते हैं.

5. पुखराज के साथ हीरा, पन्ना जैसे रत्न नहीं पहनने चाहिए. इसके लिए आप किसी योग्य ज्योतिषाचार्य से परामर्श अवश्य कर लें अन्यथा यह आपको लाभी की जगह हानि कर सकता है.

हिन्दू धर्म में संख्याओं का विशेष महत्व

एक ओम्कार् ☞ ॐ

• दो लिंग ☞ नर और नारी
• दो पक्ष ☞ शुक्ल पक्ष और कृष्ण पक्ष।
• दो पूजा ☞ वैदिकी और तांत्रिकी।
• दो अयन ☞ उत्तरायन और दक्षिणायन।
• तीन देव ☞ ब्रह्मा, विष्णु, शंकर।
• तीन देवियाँ ☞ सरस्वती, लक्ष्मी, पार्वती।
• तीन लोक ☞ पृथ्वी, आकाश, पाताल।
• तीन गुण ☞ सत्वगुण, रजोगुण, तमोगुण।
• तीन स्थिति ☞ ठोस, द्रव, गैस।
• तीन स्तर ☞ प्रारंभ, मध्य, अंत।
• तीन पड़ाव ☞ बचपन, जवानी, बुढ़ापा।
• तीन रचनाएँ ☞ देव, दानव, मानव।
• तीन अवस्था ☞ जागृत, मृत, बेहोशी।
• तीन काल ☞ भूत, भविष्य, वर्तमान।
• तीन नाड़ी ☞ इडा, पिंगला, सुषुम्ना।
• तीन संध्या ☞ प्रातः, मध्याह्न, सायं।
• तीन शक्ति ☞ इच्छाशक्ति, ज्ञानशक्ति, क्रियाशक्ति।
चार धाम ☞ बद्रीनाथ, जगन्नाथ पुरी, रामेश्वरम्, द्वारका।
• चार मुनि ☞ सनत, सनातन, सनंद, सनत कुमार।
• चार वर्ण ☞ ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य, शूद्र।
• चार निति ☞ साम, दाम, दंड, भेद।
• चार वेद ☞ सामवेद, ऋग्वेद, यजुर्वेद, अथर्ववेद।
• चार स्त्री ☞ माता, पत्नी, बहन, पुत्री।
• चार युग ☞ सतयुग, त्रेतायुग, द्वापर युग, कलयुग।
• चार समय ☞ सुबह, शाम, दिन, रात।
• चार अप्सरा ☞ उर्वशी, रंभा, मेनका, तिलोत्तमा।
• चार गुरु ☞ माता, पिता, शिक्षक, आध्यात्मिक गुरु।
• चार प्राणी ☞ जलचर, थलचर, नभचर, उभयचर।
• चार जीव ☞ अण्डज, पिंडज, स्वेदज, उद्भिज।
• चार वाणी ☞ ओम्कार्, अकार्, उकार, मकार्।
• चार आश्रम ☞ ब्रह्मचर्य, ग्राहस्थ, वानप्रस्थ, सन्यास।
• चार भोज्य ☞ खाद्य, पेय, लेह्य, चोष्य।
चार पुरुषार्थ ☞ धर्म, अर्थ, काम, मोक्ष।
• चार वाद्य ☞ तत, सुषिर, अवनद्ध, घन।
पाँच तत्व ☞ पृथ्वी, आकाश, अग्नि, जल, वायु।
• पाँच देवता ☞ गणेश, दुर्गा, विष्णु, शंकर, सूर्य।
• पाँच ज्ञानेन्द्रियाँ ☞ आँख, नाक, कान, जीभ, त्वचा।
• पाँच कर्म ☞ रस, रुप, गंध, स्पर्श, ध्वनि।
• पाँच उंगलियां ☞ अँगूठा, तर्जनी, मध्यमा, अनामिका, कनिष्ठा।
• पाँच पूजा उपचार ☞ गंध, पुष्प, धुप, दीप, नैवेद्य।

• पाँच अमृत ☞ दूध, दही, घी, शहद, शक्कर।
• पाँच प्रेत ☞ भूत, पिशाच, वैताल, कुष्मांड, ब्रह्मराक्षस।
• पाँच स्वाद ☞ मीठा, चर्खा, खट्टा, खारा, कड़वा।
• पाँच वायु ☞ प्राण, अपान, व्यान, उदान, समान।
• पाँच इन्द्रियाँ ☞ आँख, नाक, कान, जीभ, त्वचा, मन।
• पाँच वटवृक्ष ☞ सिद्धवट (उज्जैन), अक्षयवट (Prayagraj), बोधिवट (बोधगया), वंशीवट (वृंदावन), साक्षीवट (गया)।
x पाँच पत्ते ☞ आम, पीपल, बरगद, गुलर, अशोक।
• पाँच कन्या ☞ अहिल्या, तारा, मंदोदरी, कुंती, द्रौपदी।
• छः ऋतु ☞ शीत, ग्रीष्म, वर्षा, शरद, बसंत, शिशिर।
• छः ज्ञान के अंग ☞ शिक्षा, कल्प, व्याकरण, निरुक्त, छन्द, ज्योतिष।
• छः कर्म ☞ देवपूजा, गुरु उपासना, स्वाध्याय, संयम, तप, दान।
• छः दोष ☞ काम, क्रोध, मद (घमंड), लोभ (लालच), मोह, आलस्य।
• सात छंद ☞ गायत्री, उष्णिक, अनुष्टुप, वृहती, पंक्ति, त्रिष्टुप, जगती।
• सात स्वर ☞ सा, रे, ग, म, प, ध, नि।
• सात सुर ☞ षडज, ऋषभ, गांधार, मध्यम, पंचम, धैवत, निषाद।
• सात चक्र ☞ सहस्त्रार, आज्ञा, विशुद्ध, अनाहत, मणिपुर, स्वाधिष्ठान, मुलाधार।
सात वार ☞ रवि, सोम, मंगल, बुध, गुरु, शुक्र, शनि।
• सात मिट्टी ☞ गौशाला, घुड़साल, हाथीसाल, राजद्वार, बाम्बी की मिट्टी, नदी संगम, तालाब।
• सात महाद्वीप ☞ जम्बुद्वीप (एशिया), प्लक्षद्वीप, शाल्मलीद्वीप, कुशद्वीप, क्रौंचद्वीप, शाकद्वीप, पुष्करद्वीप।
• सात ऋषि ☞ वशिष्ठ, विश्वामित्र, कण्व, भारद्वाज, अत्रि, वामदेव, शौनक।
• सात ऋषि ☞ वशिष्ठ, कश्यप, अत्रि, जमदग्नि, गौतम, विश्वामित्र, भारद्वाज।
• सात धातु (शारीरिक) ☞ रस, रक्त, मांस, मेद, अस्थि, मज्जा, वीर्य।
सात रंग ☞ बैंगनी, जामुनी, नीला, हरा, पीला, नारंगी, लाल।
• सात पाताल ☞ अतल, वितल, सुतल, तलातल, महातल, रसातल, पाताल।
• सात पुरी ☞ मथुरा, हरिद्वार, काशी, अयोध्या, उज्जैन, द्वारका, काञ्ची।
• सात धान्य ☞ उड़द, गेहूँ, चना, चांवल, जौ, मूँग, बाजरा।
• आठ मातृका ☞ ब्राह्मी, वैष्णवी, माहेश्वरी, कौमारी, ऐन्द्री, वाराही, नारसिंही, चामुंडा।
• आठ लक्ष्मी ☞ आदिलक्ष्मी, धनलक्ष्मी, धान्यलक्ष्मी, गजलक्ष्मी, संतानलक्ष्मी, वीरलक्ष्मी, विजयलक्ष्मी, विद्यालक्ष्मी।
• आठ वसु ☞ अप (अहः/अयज), ध्रुव, सोम, धर, अनिल, अनल, प्रत्युष, प्रभास।
• आठ सिद्धि ☞ अणिमा, महिमा, गरिमा, लघिमा, प्राप्ति, प्राकाम्य, ईशित्व, वशित्व।
• आठ धातु ☞ सोना, चांदी, ताम्बा, सीसा जस्ता, टिन, लोहा, पारा।
नवदुर्गा ☞ शैलपुत्री, ब्रह्मचारिणी, चन्द्रघंटा, कुष्मांडा, स्कन्दमाता, कात्यायनी, कालरात्रि, महागौरी, सिद्धिदात्री।
नवग्रह ☞ सुर्य, चन्द्रमा, मंगल, बुध, गुरु, शुक्र, शनि, राहु, केतु।
• नवरत्न ☞ हीरा, पन्ना, मोती, माणिक, मूंगा, पुखराज, नीलम, गोमेद, लहसुनिया।
• नवनिधि ☞ पद्मनिधि, महापद्मनिधि, नीलनिधि, मुकुंदनिधि, नंदनिधि, मकरनिधि, कच्छपनिधि, शंखनिधि, खर्व/मिश्रनिधि।
• दस महाविद्या ☞ काली, तारा, षोडशी, भुवनेश्वरी, भैरवी, छिन्नमस्तिका, धूमावती, बगलामुखी, मातंगी, कमला।
• दस दिशाएँ ☞ पूर्व, पश्चिम, उत्तर, दक्षिण, आग्नेय, नैऋत्य, वायव्य, ईशान, ऊपर, नीचे।
• दस दिक्पाल ☞ इन्द्र, अग्नि, यमराज, नैर्ऋति, वरुण, वायुदेव, कुबेर, ईशान, ब्रह्मा, अनंत।
• दस अवतार (विष्णुजी) ☞ मत्स्य, कच्छप, वाराह, नृसिंह, वामन, परशुराम, राम, कृष्ण, बुद्ध, कल्कि।
• दस सती ☞ सावित्री, अनुसुइया, मंदोदरी, तुलसी, द्रौपदी, गांधारी, सीता, दमयन्ती, सुलक्षणा, अरुंधती।

याद करने की मुख्य बातें

दो पक्ष-

कृष्ण पक्ष ,
शुक्ल पक्ष !

तीन ऋण -

देव ऋण ,
पितृ ऋण ,
ऋषि ऋण !

चार युग -

सतयुग ,
त्रेतायुग ,
द्वापरयुग ,
कलियुग !

चार धाम -

द्वारिका ,
बद्रीनाथ ,
जगन्नाथ पुरी ,
रामेश्वरम धाम !

चारपीठ -

शारदा पीठ (द्वारिका)
ज्योतिष पीठ (जोशीमठ बद्रिधाम)
गोवर्धन पीठ (जगन्नाथपुरी) ,
श्रृंगेरीपीठ !

चार वेद-

ऋग्वेद ,
अथर्वेद ,
यजुर्वेद ,
सामवेद !

चार आश्रम -

ब्रह्मचर्य ,
गृहस्थ ,
वानप्रस्थ ,
संन्यास !

चार अंत :करण -

मन ,
बुद्धि ,
चित्त ,
अहंकार !

पञ्च गव्य -

गाय का घी ,
दूध ,
दही ,
गोमूत्र ,
गोबर !

पंच तत्व -

पृथ्वी ,
जल ,
अग्नि ,
वायु ,
आकाश !

छह दर्शन -

वैशेषिक ,
न्याय ,
सांख्य ,
योग ,
पूर्व मिसांसा ,
दक्षिण मिसांसा !

सप्त ऋषि -

विश्वामित्र ,
जमदाग्नि ,
भरद्वाज ,
गौतम ,
अत्री ,
वशिष्ठ और कश्यप!

सप्त पुरी -

अयोध्या पुरी ,
मथुरा पुरी ,
माया पुरी (हरिद्वार) ,
काशी ,
कांची
(शिन कांची - विष्णु कांची) ,
अवंतिका और
द्वारिका पुरी !

आठ योग -

यम ,
नियम ,
आसन ,
प्राणायाम ,
प्रत्याहार ,
धारणा ,
ध्यान एवं
समाधि !

दस दिशाएं -

पूर्व ,
पश्चिम ,
उत्तर ,
दक्षिण ,
ईशान ,
नैऋत्य ,
वायव्य ,
अग्नि
आकाश एवं
पाताल

बारह मास -

चैत्र ,
वैशाख ,
ज्येष्ठ ,
अषाढ ,
श्रावण ,
भाद्रपद ,
अश्विन ,
कार्तिक ,
मार्गशीर्ष ,
पौष ,
माघ ,
फागुन !

पंद्रह तिथियाँ -

प्रतिपदा ,
द्वितीय ,
तृतीय ,
चतुर्थी ,
पंचमी ,
षष्ठी ,
सप्तमी ,
अष्टमी ,
नवमी ,
दशमी ,
एकादशी ,
द्वादशी ,
त्रयोदशी ,
चतुर्दशी ,
पूर्णिमा ,
अमावास्या !

स्मृतियां -

मनु ,
विष्णु ,
अत्री ,
हारीत ,
याज्ञवल्क्य ,
उशना ,
अंगीरा ,
यम ,
आपस्तम्ब ,
सर्वत ,
कात्यायन ,
ब्रहस्पति ,
पराशर ,
व्यास ,
शांख्य ,
लिखित ,
दक्ष ,
शातातप ,
वशिष्ठ !

सनातन भारतीय संस्कृति
अँगुलियों के नाम
अपने हाथ की छोटी उँगली से शुरू करें :-
(1)जल
(2)पृथ्वी
(3)आकाश
(4)वायू
(5)अग्नि
ये वो बातें हैं जो बहुत कम लोगों को मालूम होंगी ।

5 जगह हँसना करोड़ो पाप के बराबर है
1. श्मशान में
2. अर्थी के पीछे
3. शौक में
4. मन्दिर में
5. कथा में

अकेले हो? परमात्मा को याद करो ।
परेशान हो? ग्रँथ पढ़ो ।
उदास हो? कथाए पढो ।
टेन्शन मे हो? भगवत गीता पढ़ो

क्या आप जानते हैं ?
हिन्दू ग्रंथ रामायण, गीता, आदि को सुनने,पढ़ने से कैन्सर नहीं होता है बल्कि कैन्सर अगर हो तो वो भी खत्म हो जाता है।
व्रत,उपवास करने से तेज़ बढ़ता है,सर दर्द और बाल गिरने से बचाव होता है ।
आरती----के दौरान ताली बजाने से दिल मजबूत होता है ।
श्रीमद भगवत गीता पुराण और रामायण ।
.
"कैन्सर"
एक खतरनाक बीमारी है...
बहुत से लोग इसको खुद दावत देते हैं ...
बहुत मामूली इलाज करके इस
बीमारी से काफी हद तक बचा जा सकता है ...
अक्सर लोग खाना खाने के बाद "पानी" पी लेते है ...
खाना खाने के बाद ₹पानी₹ ख़ून में मौजूद ₹कैन्सर ₹का अणु बनाने वाले "'सैल्स"'को "'आक्सीजन"' पैदा करता है...
"हिन्दु ग्रंथो मे बताया गया है कि...
खाने से पहले'पानी 'पीना अमृत₹है...
खाने के बीच मे 'पानी ' पीना शरीर की
"पूजा" है...
खाना खत्म होने से पहले 'पानी'
"पीना औषधि" है...
खाने के बाद 'पानी' पीना₹ बीमारीयो का घर है...
बेहतर है खाना खत्म होने के कुछ देर बाद 'पानी 'पीये...
ये बात उनको भी बतायें जो आपको ₹जानर₹से भी ज्यादा प्यारे है
रोज एक सेब
नो डाक्टर ।
रोज पांच बदाम,
नो कैन्सर ।
रोज एक निबु,
नो पेट बढना ।
रोज एक गिलास दूध,
नो बौना (कद का छोटा)।
रोज 12 गिलास पानी,
नो चेहरे की समस्या ।
रोज चार काजू,
नो भूख ।
रोज मन्दिर जाओ,
नो टेन्शन ।
रोज कथा सुनो
मन को शान्ति मिलेगी ।।
"चेहरे के लिए ताजा पानी"।
"मन के लिए गीता की बाते"।
"₹सेहत के लिए योग"।
और खुश रहने के लिए परमात्मा को याद किया करो।

क्रूज कंट्रोल फीचर के साथ आने वाली ये हैं बेस्ट अफॉर्डेबल गाड़ियां, जानिए आपके लिए कौन सी बेस्ट

भारतीय बाजार में आधुनिक फीचर्स के साथ आने वाली गाड़ियों की खूब डिमांड है। यही कारण है कि ग्राहकों के द्वारा इन्हें खूब तरजीह दी जाती है। यहां कुछ ऐसी गाड़ियों की लिस्ट लेकर आए हैं जो क्रूज कंट्रोल फीचर के साथ अफॉर्डेबल प्राइस रेंज में पेश की जाती हैं। लिस्ट में टाटा और हुंडई जैसे नाम शामिल हैं। आइए इनके बारे में जानते हैं।

नई दिल्ली। वर्तमान समय में जो गाड़ियां पेश की जाती हैं उनमें कई तरह के आधुनिक फीचर्स दिए जाते हैं और ऐसे में ग्राहकों की कोशिश रहती है कि उन्हें किफायती प्राइस रेंज के भीतर ही सभी आधुनिक फीचर्स से लैस गाड़ी हाथ लग जाए। हम यहां आपके लिए इस लेख में 5 ऐसी गाड़ियों की लिस्ट लेकर आए हैं जिनमें Cruise Control फीचर फीचर दिया जाता है। आइए इनके बारे में जान लेते हैं।

हुंडई क्रेटा में कार मालिकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए क्रूज कंट्रोल फीचर दिया जाता है। इस फीचर की वजह से ड्राइवर लंबे रास्तों के दौरान इस सुविधा का लाभ ले सकता है। इसमें निर्माता के द्वारा कई वेरिएंट पेश किए जाते हैं। इसके बेस वेरिएंट की कीमत 11 लाख रुपये एक्सशोरूम से शुरू होती है।

Hyundai Venue

अगर आप भारतीय बाजार में सब-4-मीटर एसयूवी सेगमेंट पर निगाह डालेंगे तो निश्चित तौर पर उसमें हुंडई वेन्यू का नाम शामिल किया जाएगा। जो लोग क्रूज कंट्रोल फीचर के साथ आने वाली गाड़ी खरीदने की प्लानिंग कर रहे हैं उनके लिए यह बेस्ट विकल्प साबित हो सकती है। Hyundai Venue S Opt Turbo वेरिएंट मिलने वाला क्रूज कंट्रोल फीचर ड्राइविंग के दौरान काफी काम आ सकता है।

Tata Punch Accomplished

माइक्रो एसयूवी सेगमेंट के अंदर आने वाली टाटा की इस कार में क्रूज कंट्रोल फीचर प्रदान किया जाता है। क्रूज कंट्रोल वाले मैनुअल वेरिएंट की कीमत 7.75 लाख एक्स-शोरूम और ऑटोमैटिक वेरिएंट की कीमत 8.35 लाख एक्स-शोरूम है। टाटा पंच में 1.2 लीटर पेट्रोल इंजन है जो 88ps की शक्ति और 115Nm का टॉर्क पैदा करने में सक्षम है।

Tata Altroz XT

चौथे स्थान पर टाटा की एक और गाड़ी को शामिल किया गया है। Altroz XT वेरिएंट में यह सुविधा प्रदान की जाती है। इसमें 1.2 लीटर इंजन मिलता है जो 88 पीएस की शक्ति और 115 एनएम का टॉर्क पैदा करता है। इसमें एक डीजल वेरिएंट भी है जो 90PS की शक्ति और 200Nm का टॉर्क निकालता है।

Nissan Magnite

निसान मैग्नाइट XV वेरिएंट को भी अफॉर्डेबल क्रूज कंट्रोल वाली गाड़ियों की लिस्ट में शामिल किया जाता है। इसमें 1.0 लीटर 3 सिलेंडर इंजन प्रदान किया जाता है जिसकी क्षमता 71 बीएचपी की शक्ति और 96 एनएम का टॉर्क निकालने की है।

कैब सर्विस में चलानी है सीएनजी कार, तो आपके लिए बेस्ट रहेंगी ये 5 गाड़ियां, 36 किलोमीटर की मिलेगी माइलेज

आज हर बड़े-छोटे शहर में टैक्सी या कैब की डिमांड बढ़ रही है. देश के लाखों लोगों के लिए कैब ड्राइविंग आय का मुख्य श्रोत है. कैब या टैक्सी के लिए एक ऐसी कार की जरूरत होती है जो बिना ज्यादा सर्विस और मेंटेनेंस मांगे अच्छी तरह चले और माइलेज भी बढ़िया दे. अधिक माइलेज और बचत के लिए सीएनजी वाली कारों को कैब के लिए चलाना बेहतर माना जाता है. यहां हम आपको बता रहे हैं 5 कारों के बारें में जिन्हें कैब या टैक्सी के लिए चलाना फायदे का सौदा साबित होगा.

मारुति वैगनआर को कैब और टैक्सी के लिए सबसे बेहतर माना जाता है. इस 5 सीटर हैचबैक के केबिन में अच्छा स्पेस मिलता है जिससे पैसेंजर्स को स्पेस की कोई कमी महसूस नहीं होगी। इसके सीएनजी वैरिएंट में 1-लीटर का इंजन सीएनजी ऑप्शन के साथ मिलता है. मारुति वैगनआर के कैब वेरिएंट WagonR Tour सीएनजी की कीमत 6.89 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) से शुरू होती है.

Maruti Celerio CNG: Maruti Celerio CNG: मारुति सेलेरियो सीएनजी भी कैब के लिए एक बेहतर विकल्प साबित हो सकती है. सेलेरियो का सीएनजी ट्रिम VXi वैरिएंट से शुरू होता है जिसकी कीमत 6.74 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) से शुरू होती है. यह कार सीएनजी में 35.6 km/kg की माइलेज दे सकती है.

Maruti Dzire Tour S CNG: कैब के लिए मारुति सुजुकी Dzire का Tour S CNG वर्जन उपलब्ध है. इसकी कीमत 7.46 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) से शुरू होती है. डिजायर टूर एस सीएनजी में 31.12 km/kg का माइलेज मिल जाता है.

Maruti Ertiga CNG: मारुति अर्टिगा 7-सीटर लोकप्रिय एमपीवी कैब और टैक्सी के लिए स्पेशल टूर सीएनजी (Ertiga Tour CNG) मॉडल में उपलब्ध है. इसके सीएनजी बेस मॉडल की कीमत 10.70 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) से शुरू होती है. अर्टिगा टूर एस सीएनजी में 26.08 km/kg का माइलेज मिलता है.

Tigor CNG: टाटा मोटर्स की 5 सीटर कॉम्पैक्ट सेडान 'टिगोर' सीएनजी वैरिएंट में उपलब्ध है. यह फ्लीट या टैक्सी सर्विस के लिए बेहतर कार मानी जाती है. आप इसके बेस सीएनजी मॉडल XM सीएनजी को 7.80 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) में खरीद सकते हैं. इसमें 26.49 km/kg तक का माइलेज मिल जाता है।

न डाउनपेमेंट और न ही लोन, कार खरीदने का ये तरीका भी है बेहद शानदार, सभी झंझटों से हो जाएंगे फ्री

आपको बता दें कि आजकल लोन के बजाय लीज पर कार खरीदना भी बेहतर ऑप्शन है. लीज ऑप्शन उन लोगों के लिए भी कहत काम का है, जो आपकी कार से बहुत जल्दी बोर हो जाते हैं या हर एक-दो साल में गाड़ी बदल लेते हैं.

आजकल हर कोई कार खरीदना चाहता है. कई लोग कार की पूरी कीमत चुकाकर उसे खरीद लेते हैं तो कई लोन लेकर कार खरीदने का सपना पूरा करते हैं. हालांकि, कई लोग ऐसे भी हैं जो डाउनपेमेंट, लोन, ईएमआई, इंश्योरेंस और मेंटेनेंस के झंझट में पड़े बगैर कार खरीदना चाहते हैं. अगर आप भी इनमें से एक हैं तो हम ऐसा तरीका बता रहे हैं, जिसकी मदद से आप कम खर्चे और बिना झंझट आसान किश्तों में कार ले सकते हैं.

आपको बता दें कि आजकल लोन के बजाय लीज पर कार खरीदना भी बेहतर ऑप्शन है. लीज ऑप्शन उन लोगों के लिए भी कहत काम का है, जो आपकी कार से बहुत जल्दी बोर हो जाते हैं या हर एक-दो साल में गाड़ी बदल लेते हैं. ये ऐसा ऑप्शन है जिसमें कार का इस्तेमाल करने के बदले में आपको फिक्स मंथली फीस भरनी होगी. कार लीज पर लेने के लिए आपको कुछ बातों को जरूर नोट कर लेना चाहिए'

अपने बजट और जरूरतों को समझें. ये तय करें कि आप कितना पैसा खर्च करने के लिए तैयार हैं और आपको किस तरह की कार की जरूरत है.

कार डीलर या लीजिंग कंपनी से कॉन्टैक्ट करें. आपको कई अलग-अलग डीलर्स या लीजिंग कंपनियों से बात करनी चाहिए और उनके ऑफर्स की तुलना करनी चाहिए.

लीज कॉन्ट्रैक्ट पर साइन करें. एक बार जब आप एक डीलर या लीजिंग कंपनी से कॉन्ट्रेक्ट कर लेते हैं, तो आपको लीज कॉन्ट्रैक्ट पर साइन करने की जरूरत होगी.

हालांकि, लीज पर कार खरीदने के अपने कुछ फायदे और नुकसान भी हैं, जिन्हें आपको जरूर जान लेना चाहिए.

कार लीज पर लेने के फायदे

लीज पर ली गई कार के लिए मंथली पेमेंट आमतौर पर कार लोन ईएमआई की तुलना में कम होती है.

आपको कार खरीदने के लिए डाउन पेमेंट करने की जरूरत नहीं होती है.

आपको कार के मेंटेनेंस और रिपेयरिंग की चिंता करने की आवश्यकता नहीं है.

कार लीज पर लेने के नुकसान

लीज नियम के अनुसार आप कार के मालिक नहीं होंगे.

आपको लीज पीरियड (कॉन्ट्रैक्ट) खत्म होते ही आपको कार वापस करनी होगी.

आपको कुछ एक्स्ट्रा कॉस्ट की पेमेंट करनी पड़ सकती है, जैसे कि डैमेज फीस और रेंज लिमिटेशन.

लोन और लीज में अंतर

जब आप लीज पर कार लेते हैं तो आपको हर महीने एक फिक्स चार्ज देना होता है. यह वैसा ही होता है जैसे आप किसी सर्विस का इस्तेमाल करने के लिए सब्सक्रिप्शन चार्ज या रेंट का भुगतान करते हैं. जबकि लोन की किश्तें बैंक इंट्रेस्ट रेट के हिसाब से घटती बढ़ती रहती हैं.लीज की सब्सक्रिप्शन फीस के अलावा

आपको कोई चार्ज नहीं देना पड़ता है. इंश्योरेंस और मेंटेनेंस जैसी चीजें फिक्स सब्सक्रिप्शन में शामिल होती हैं.

वहीं लोन पर ली हुई कार के लिए ये सारे खर्चे आपको अलग से उठाने पड़ते हैं. लीज पर ली हुई कार पर आपको टैक्स बेनिफिट भी मिलता है. 5 साल तक आपकी गाड़ी की सर्विसिंग भी फ्री रहती है. वहीं लोन पर ली हुई कार के मामले में ऐसा नहीं है।

CNG और iCNG कारों के बीच क्या है लफड़ा? खरीदते समय कन्फ्यूज हो रहे ग्राहक, समझिए कौन सी खरीदें' कौन सी नहीं

लोगों के बीच CNG और iCNG कारों को लेकर बड़ा कन्फ्यूजन है. अगर आप भी नहीं जानते कि सीएनजी से चलने वाली इन दोनों कारों के बीच क्या अंतर है, तो ये खबर आपके लिए है.

पेट्रोल की महंगी कीमतों के वजह से सीएनजी कारों की डिमांड बढ़ती ही जा रही है. यही वजह है कि आज कंपनियां अपने पेट्रोल कारों के सीएनजी वैरिएंट तेजी से लॉन्च कर रही हैं. हालांकि, इन दिनों सीनएजी के साथ मार्केट में iCNG कारें भी आने लगी हैं. इससे ग्राहकों के बीच भ्रम पैदा हो गया है कि CNG कार खरीदें या iCNG. यहां हम आपको बताने वाले हैं कि CNG और iCNG कारों में क्या अंतर है और दोनों में किसे खरीदना चाहिए, ताकि आप बेहतर विकल्प का चुनाव कर सकें.

CNG और iCNG कारों के बीच अंतर सिर्फ इतना है कि सीएनजी कार का इंजन पेट्रोल और सीएनजी दोनों पर चलता है, जबकि iCNG कारों में इंजन के साथ एक इलेक्ट्रिक मोटर भी लगा होता है जिससे कार को एक्ट्रा पॉवर मिलती है. इससे कार की पॉवर और माइलेज दोनों में बढ़ोतरी हो जाती है.

iCNG में मिलता है ज्यादा माइलेज

iCNG कारों की सबसे बड़ी खासियत है कि इनमें साधारण सीएनजी कारों के मुकाबले 12-15 फीसदी तक ज्यादा माइलेज मिलता है. उदाहरण के तौर पर, यदि सीएनजी कार एक किलो सीएनजी में 20 किलोमीटर का माइलेज देती है, तो वहीं iCNG कार में 22-23 किलोमीटर का माइलेज मिल जाता है.

प्रदूषण भी होता है कम

इलेक्ट्रिक मोटर और अधिक माइलेज होने के वजह से iCNG कारें साधारण सीएनजी कारों की तुलना में पॉल्यूशन भी कम करती हैं. लेकिन कीमत के मामले में iCNG कारें महंगी होती हैं. कुल मिलाकर देखें तो iCNG कार को चलाने का खर्च नॉर्मल CNG कार के मुकाबले कम है. इनसे पर्यावरण को नुकसान भी कम पहुंचता है और ये कार चलाने में भी अधिक पॉवफुल महसूस होती है।

एआई सोशल मीडिया पर किशोरों को सुरक्षा और गोपनीयता प्रदान करने में कितनी मदद कर सकता है?

सोशल मीडिया पर किशोरों के लिए जोखिमों की व्यापकता अच्छी तरह से स्थापित है। ये जोखिम उत्पीड़न और धमकाने से लेकर खराब मानसिक स्वास्थ्य और यौन शोषण तक हैं। जांच से पता चला है कि मेटा जैसी कंपनियों को पता है कि उनके प्लेटफ़ॉर्म मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों को बढ़ाते हैं।

मेटा ने नौ जनवरी 2024 को घोषणा की कि वह किशोर उपयोगकर्ताओं को इंस्टाग्राम और फेसबुक पर कंपनी द्वारा हानिकारक मानी जाने वाली सामग्री को देखने से रोककर उनकी सुरक्षा करेगा। इनमें आत्महत्या और खाने के विकारों से संबंधित सामग्री भी शामिल है। यह कदम ऐसे समय में आया है जब संघीय और राज्य सरकारों ने किशोरों के लिए सुरक्षा उपाय प्रदान करने के लिए सोशल मीडिया कंपनियों पर दबाव बढ़ा दिया है। हम जानते हैं कि कि किशोर समर्थन के लिए सोशल मीडिया पर अपने साथियों की ओर रुख करते हैं, जो उन्हें कहीं और नहीं मिल सकता है। किशोरों की सुरक्षा के प्रयास अनजाने में उनके लिए सहायता प्राप्त करना कठिन बना सकते हैं।

अमेरिकी कांग्रेस ने हाल के वर्षों में सोशल मीडिया और युवा लोगों के लिए जोखिमों के बारे में कई बार विचार किया है। मेटा, एक्स (जिसे पहले ट्विटर के नाम से जाना जाता था) टिकटॉक, स्नैप और डिस्कोर्ड के सीईओ नाबालिगों को यौन शोषण से बचाने के अपने प्रयासों के बारे में 31 जनवरी, 2024 को सीनेट न्यायपालिका समिति के समक्ष गवाही देने वाले हैं। समिति के अध्यक्ष और रैंकिंग सदस्य, क्रमशः सीनेटर डिक डर्बिन (डी-इल) और लिंडसे ग्राहम (आर-एस.सी.) ने इस सुनवाई से पहले एक बयान में कहा है कि टेक कंपनियों को ''अंततः खास तौर से बच्चों को सुरक्षा देने के मामले में अपनी विफलताओं को स्वीकार करने पर मजबूर किया जा रहा है।''

एक हालिया शोध से पता चलता है कि जहां किशोरों को सोशल मीडिया पर खतरे का सामना करना पड़ता है, वहीं उन्हें साथियों का समर्थन भी मिलता है, खासकर सीधे संदेश के माध्यम से। शोध के दौरान ऐसे कदमों की पहचान की गयी जो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म उपयोगकर्ताओं की सुरक्षा के साथ-साथ उनकी ऑनलाइन गोपनीयता और स्वायत्तता की सुरक्षा के लिए भी उठा सकते हैं।

बच्चों को क्या झेलना पड़ रहा है?

सोशल मीडिया पर किशोरों के लिए जोखिमों की व्यापकता अच्छी तरह से स्थापित है। ये जोखिम उत्पीड़न और धमकाने से लेकर खराब मानसिक स्वास्थ्य और यौन शोषण तक हैं। जांच से पता चला है कि मेटा जैसी कंपनियों को पता है कि उनके प्लेटफ़ॉर्म मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों को बढ़ाते हैं, जिससे युवाओं के मानसिक स्वास्थ्य को अमेरिकी सर्जन जनरल की प्राथमिकताओं में से एक बनाने में मदद मिलती है।

अधिकांश किशोर ऑनलाइन सुरक्षा अनुसंधान सर्वेक्षण जैसे स्व-रिपोर्ट किए गए डेटा से होते हैं। युवाओं की वास्तविक दुनिया की निजी बातचीत और ऑनलाइन जोखिमों पर उनके दृष्टिकोण की अधिक जांच की आवश्यकता है। इस आवश्यकता को पूरा करने के लिए, युवाओं की इंस्टाग्राम गतिविधि का एक बड़ा डेटासेट एकत्र किया गया जिसमें 70 लाख से अधिक प्रत्यक्ष संदेश शामिल थे। इस डेटासेट का उपयोग करते हुए, पाया गया कि दैनिक जीवन से लेकर मानसिक स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं तक के मुद्दों पर समर्थन चाहने वाले युवाओं के लिए सीधी बातचीत महत्वपूर्ण हो सकती है। खोज से पता चलता है कि इन चैनलों का उपयोग युवा लोगों द्वारा अपनी सार्वजनिक बातचीत पर अधिक गहराई से चर्चा करने के लिए किया जाता था। सेटिंग्स में आपसी विश्वास के आधार पर, किशोरों ने मदद माँगना सुरक्षित महसूस किया।

शोध से पता चलता है कि ऑनलाइन बातचीत की गोपनीयता युवाओं की ऑनलाइन सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है और साथ ही इन प्लेटफार्मों पर काफी मात्रा में हानिकारक बातचीत निजी संदेशों के रूप में आती है। डेटासेट में उपयोगकर्ताओं द्वारा चिह्नित असुरक्षित संदेशों में उत्पीड़न, यौन संदेश, यौन आग्रह, नग्नता, अश्लील साहित्य, घृणास्पद भाषण और अवैध गतिविधियों की बिक्री या प्रचार शामिल है।

हालाँकि, किशोरों के लिए ऑनलाइन जोखिमों का पता लगाने और उन्हें रोकने के लिए स्वचालित तकनीक का उपयोग करना अधिक कठिन हो गया है क्योंकि प्लेटफ़ॉर्म पर उपयोगकर्ता की गोपनीयता की रक्षा करने का दबाव डाला गया है। उदाहरण के लिए, मेटा ने अपने प्लेटफ़ॉर्म पर सभी संदेशों के लिए एंड-टू-एंड एनक्रिप्शन लागू किया है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि संदेश सामग्री सुरक्षित है और केवल बातचीत में भाग लेने वाले ही उस तक पहुंच सकते हैं।

इसके अलावा, मेटा ने आत्महत्या और खाने के विकार से संबंधित सामग्री को रोकने के लिए जो कदम उठाए हैं, वह उस सामग्री को सार्वजनिक पोस्ट से दूर रखता है, भले ही किसी किशोर के दोस्त ने उसे पोस्ट किया हो। इसके अलावा, मेटा की सामग्री रणनीति किशोरों द्वारा ऑनलाइन की जाने वाली निजी बातचीत में असुरक्षित बातचीत को संबोधित नहीं करती है।

संतुलन बनाना

ऐसे में मुख्य चुनौती युवा उपयोगकर्ताओं की गोपनीयता पर हमला किए बिना उनकी सुरक्षा करना है। इस उद्देश्य से, यह पता लगाने के लिए एक अध्ययन किया गया कि हम असुरक्षित संदेशों का पता लगाने के लिए न्यूनतम डेटा का उपयोग कैसे कर सकते हैं। शोधकर्ता यह समझना चाहते थे कि जोखिम भरी बातचीत की विभिन्न विशेषताएं या मेटाडेटा जैसे बातचीत की लंबाई, औसत प्रतिक्रिया समय और बातचीत में भाग लेने वालों के रिश्ते इन जोखिमों का पता लगाने वाले मशीन लर्निंग कार्यक्रमों में कैसे योगदान दे सकते हैं। उदाहरण के लिए, पिछले शोध से पता चला है कि जोखिम भरी बातचीत छोटी और एकतरफा होती है, जैसे कि जब अजनबी बातचीत में अवांछित रूप से आगे बढ़ते हैं।

शोधकर्ताओं ने पाया कि मशीन लर्निंग प्रोग्राम 87% मामलों में बातचीत के लिए केवल मेटाडेटा का उपयोग करके असुरक्षित बातचीत की पहचान करने में सक्षम था। हालाँकि, जोखिम के प्रकार और गंभीरता की पहचान करने के लिए बातचीत के पाठ, छवियों और वीडियो का विश्लेषण करना सबसे प्रभावी तरीका है। ये परिणाम असुरक्षित वार्तालापों को अलग करने के लिए मेटाडेटा के महत्व पर प्रकाश डालते हैं और कृत्रिम बुद्धिमत्ता जोखिम पहचान को डिजाइन करने के लिए प्लेटफार्मों के लिए दिशानिर्देश के रूप में उपयोग किया जा सकता है। प्लेटफ़ॉर्म उस सामग्री को स्कैन किए बिना हानिकारक सामग्री को ब्लॉक करने के लिए मेटाडेटा जैसी उच्च-स्तरीय सुविधाओं का उपयोग कर सकते हैं। उदाहरण के लिए, एक लगातार उत्पीड़क जिससे एक युवा बचना चाहता है, मेटाडेटा बनाएगा- असंबद्ध उपयोगकर्ताओं के बीच बार-बार, संक्षिप्त, एकतरफा संचार- जिसका उपयोग एआई सिस्टम उत्पीड़क को रोकने के लिए कर सकता है।

आदर्श रूप से, युवा लोगों और उनकी देखभाल करने वालों को एनक्रिप्शन, जोखिम का पता लगाने या दोनों को चालू करने में सक्षम होने का विकल्प दिया जाएगा ताकि वे अपने लिए गोपनीयता और सुरक्षा को लेकर सही विकल्प का चयन कर सकें।

संपादक की कलम से

शिवानी सिब्बल के उपन्यास 'सियासत' का लोकार्पण

शिवानी सिब्बल के उपन्यास 'सियासत' उनके अंग्रेजी नॉवेल 'इक्वेशन' का हिंदी अनुवाद है .शिवानी सिब्बल के उपन्यास 'सियासत' उनके अंग्रेजी नॉवेल 'इक्वेशन' का हिंदी अनुवाद है .

अंग्रेजी की चर्चित लेखिका शिवानी सिब्बल का पहला उपन्यास इक्वेशन (Equations) समकालीन भारतीय कथा साहित्य की दुनिया में एक नई आवाज की शुरुआत करता है. 1980 के दशक की दिल्ली की पृष्ठभूमि पर आधारित उपन्यास की कहानी आधुनिक युग की जटिलताओं में शहर के परिवर्तन को दर्शाती है. अब इक्वेशन का हिंदी संस्करण 'सियासत' के नाम से प्रकाशित हुआ है.

शिवानी सिब्बल के उपन्यास के हिंदी संस्करण 'सियासत' का प्रकाशन राजकमल प्रकाशन ने किया है और इसका हिंदी अनुवाद प्रभात रंजन ने किया है. इस उपन्यास का लोकार्पण जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल में किया गया. वरिष्ठ लेखिका मृदुला गर्ग, साहित्यिक परामर्श कंपनी सियाही की संस्थापक मीता कपूर, राजकमल प्रकाशन के संपादकीय निदेशक सत्यानंद निरुपम, लेखिका शिवानी सिब्बल और अनुवादक प्रभात रंजन ने दरबार हॉल में इस पुस्तक का लोकार्पण किया. कार्यक्रम में शिवानी सिब्बल और प्रभात रंजन से मीता कपूर की इस उपन्यास पर बातचीत की.

शिवानी सिब्बल के उपन्यास 'सियासत' में निजी महत्त्वाकांक्षाओं, पारिवारिक सीमाओं और सामाजिक बदलावों की एक दिलचस्प कहानी है. नए भारत के बदलते यथार्थ को लेखक ने इस उपन्यास में बारीकी से चित्रित किया है. दिल्ली के व्यावसायिक एवं राजनीतिक परिवारों की गोपन दुनिया का परीक्षण करता यह उपन्यास भारतीय परिवारों के भीतर की जटिलताओं, सीमाओं और महत्वकांक्षाओं के टकराव को बखूबी बयान करता है. इसमें वर्ग, सत्ता और आधुनिक भारत के बदलते आयाम का चित्रण किया गया है. फर्श से अर्श तक पहुंचने की यह रोमांचक कथा शानदार किस्सागोई के कारण बहुत दिलचस्प और पठनीय है.

राजनीतिज्ञ, पूर्व राजनयिक और अंग्रेजी लेखक शशि थरूर ने उपन्यास के बारे में कहा कि दिल्ली जैसे शहर में हर जाति और सम्प्रदाय के लोग काम करते हैं और एक दूसरे के आसपास रहते हैं. उनकी जिन्दगी एक-दूसरे को प्रभावित तो करती है लेकिन असल में एक-दूसरे जैसी कभी होती नहीं है. शिवानी सिब्बल ने राजेश और अहान की कहानी के माध्यम से इस जटिल परस्परता को समझने की कोशिश की है. 'सियासत' एक संवेदनशील और बहुस्तरीय उपन्यास है.

राय

वहीदा रहमान को पता चला...

वहीदा रहमान ने 1955 में तेलुगू फिल्मों से शुरुआत की थी, कुछ तमिल फिल्मों में भी उन्होंने काम किया .वहीदा रहमान ने 1955 में तेलुगू फिल्मों से शुरुआत की थी, कुछ तमिल फिल्मों में भी उन्होंने काम किया.

फिल्म उद्योग जिन पर गर्व करता है, उन कुछ अभिनेत्रियों में वहीदा रहमान सिरमौर हैं. भावना प्रधान गम्भीर भूमिकाओं की सिद्धहस्त वहीदा रहमान ने दर्शकों को प्रभावित किया है. वहीदा जिस सहज, स्वभाविक ढंग से भावना प्रधान रोल में अपनी सूक्ष्म संवेदनशीलता के माध्यम से प्रभाव डालती थीं, वैसा हिंदी फिल्म की कोई अभिनेत्री नहीं कर सकी. ट्रेंजडी क्वीन मीना कुमारी ने भाव विभोर करने के लिए अपनी कंपकंपी आवाज और फूट-फूट कर रोने के अंदाज को सहारा बनाया था. लेकिन वहीदा रहमान अपने सहज, स्वाभाविक अभिनय से बेमिसाल अभिनेत्री साबित हुई.

आन्ध्र प्रदेश में 3 फरवरी, 1938 में जन्मी, मद्रास में पली वहीदा रहमान को फिल्म उद्योग में लाने का श्रेय कुशल निर्माता-निर्देशक एवं अभिनेता गुरुदत्त को जाता है. गुरुदत्त की फिल्म सी.आई.डी. से ही वहीदा रहमान ने अपना फिल्मी कैरियर शुरू किया था. इस फिल्म में गुरुदत्त हीरो नहीं थे, बल्कि हीरो के रूप में देवानन्द को लिया था. वहीदा रहमान की पहली फिल्म सीआईडी में एक दृश्य था- जिस में उन्हें अपने सीने से हवा में दुपट्टा उड़ाना था. सिर्फ इतना ही नहीं, उस दुपट्टे के नीचे गले तक कटा हुआ ब्लाउज पहनना था. वहीदा रहमान ने कहा- 'ऐसा ब्लाउज तो मैं पहनूंगी ही नहीं और दुपट्टे को अच्छी तरह से पकड़ूंगी- उड़ेगा कैसे?' आखिर, वहीदा की ही बात रखी गई. अपनी पहली फिल्म में नग्नता का विरोध करने वाली वहीदा ने सिर्फ नग्नता की वजह से कोनार्ड रक्स की फिल्म 'सिदार्थ' का रोल अस्वीकार किया था.

गुरुदत्त और वहीदा की प्रेम कहानी

गुरुदत्त और वहीदा रहमान की हिट जोड़ी से एक ऐसा संवेदनशील गीत बना जो गुनगुनाया नहीं जा सकता है सिर्फ एहसास किया जा सकता है. 'प्यासा' फिल्म तक गुरुदत्त खुद निर्देशन करने लगे थे. 'प्यासा' फिल्म के लिए वहीदा रहमान की तलाश थी. 'प्यासा' फिल्म के साथ ही गुरुदत्त ने अनुबंध कर लिया था कि वह सिर्फ उनकी ही फिल्मों में काम करेंगी. वहीदा की कला को गुरुदत्त ने परिष्कृत किया, एक शिल्पी की तरह. गुरुदत्त और वहीदा ने एक साथ 'प्यासा', 'कागज के फूल', 'साहब बीवी और गुलाम' और 'चैदहवीं का चांद' जैसी बेमिशाल फिल्में दीं. हिंदी रजत पट की इन अविस्मरणीय फिल्मों के साथ ही गुरुदत्त और वहीदा रहमान ने चाहतों की मजबूरी का प्रेम गीत भी दिया. 'कागज के फूल' से लेकर 'साहब बीवी गुलाम' के लम्बे सफर में गुरुदत्त के साथ वहीदा का होना फिल्म उद्योग में चर्चा का विषय बना. दोनों के प्यार और रोमांस की खबरें छपीं. अभिनय की जिन्दगी में प्यार और रोमांस जब बहुत अधिक घुल-मिल जाता है तो वह वास्तविकता अख्तियार करने लगता है. यह एक स्वाभाविक सच है. गुरुदत्त और वहीदा का आकर्षण स्वाभाविक था. गुरुदत्त विवाहित थे. गुरुदत्त और वहीदा के प्रेम की खबर उनकी पत्नी गायिका गीता दत्त को लगी तो दोनों के बीच तनाव बढ़े।

आमदनी अठन्नी खर्च रुपय्या की नीति पर चलने वाले राहुल गांधी सरकार को अर्थव्यवस्था पर ज्ञान ना ही दें तो अच्छा है

नीरज कुमार दुबे

सवाल राहुल गांधी की राजनीति ही नहीं बल्कि उनकी परिपक्वता पर भी है। जब लोकसभा चुनाव सिर पर हैं और सहयोगी दलों के बीच सीट बंटवारे से लेकर चुनावी अभियानों की रूपरेखा बनाने जैसे मुद्दों पर दिल्ली में बैठकर रणनीति बनाने की जरूरत है तो राहुल गांधी दूसरे प्रदेशों में यात्रा निकाल रहे हैं।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी भारत जोड़ो न्याय यात्रा लेकर जैसे ही निकले वैसे ही उनकी पार्टी और इंडी गठबंधन से नेताओं और दलों का निकलना शुरू हो गया। राहुल गांधी के यात्रा पर निकलने से पहले ही मिलिंद देवड़ा कांग्रेस छोड़ गये। राहुल गांधी अपनी यात्रा लेकर बिहार पहुँचते उससे पहले ही नीतीश कुमार गठबंधन का साथ छोड़ गये। राहुल गांधी बंगाल पहुँचे तो ममता बनर्जी ने भी गठबंधन से अलग होने का संकेत देते हुए कांग्रेस को सुना डाला कि उसकी 40 लोकसभा सीट जीतने की भी औकात नहीं है लेकिन फिर भी अहंकार कूट-कूट कर भरा है। राहुल गांधी अभी उत्तर प्रदेश पहुँचे नहीं हैं लेकिन उससे पहले ही वरिष्ठ नेता आचार्य प्रमोद कृष्णम कांग्रेस छोड़ने की तैयारी में हैं। राहुल गांधी अभी महाराष्ट्र नहीं पहुँचे हैं लेकिन उससे पहले ही प्रकाश अंबेडकर की पार्टी इंडी गठबंधन छोड़ने की तैयारी में है। राहुल गांधी अभी दिल्ली और पंजाब नहीं पहुँचे हैं लेकिन उससे पहले ही आम आदमी पार्टी भी इंडी गठबंधन से दूरी बनाने के जतन करने लगी है। सवाल उठता है कि जो नेता अपनी पार्टी और गठबंधन को जोड़े नहीं रख पा रहा है, जो नेता अपने ही नेताओं को न्याय नहीं दे पा रहा है वह दूसरों को क्या जोड़ेगा और क्या न्याय देगा? यहां एक बात और गौर करने लायक है कि एक ओर जहां राहुल गांधी भारत को जोड़ने की बात कर रहे हैं वहीं दूसरी ओर उनकी पार्टी के सांसद डीके सुरेश भारत को तोड़ने की बात कर रहे हैं।

यहां सवाल राहुल गांधी की राजनीति ही नहीं बल्कि उनकी राजनीतिक परिपक्वता पर भी है। जब लोकसभा चुनाव सिर पर हैं और सहयोगी दलों के बीच सीट बंटवारे से लेकर चुनावी अभियानों की रूपरेखा बनाने जैसे मुद्दों पर दिल्ली में बैठकर रणनीति बनाने की जरूरत है तो राहुल गांधी दूसरे प्रदेशों में यात्रा निकाल रहे हैं। जब संसद का बजट सत्र चल रहा है और वर्तमान लोकसभा में यह मोदी सरकार को घेरने का आखिरी और बड़ा मौका है तो राहुल गांधी दिल्ली में ना होकर दूसरे प्रदेशों में यात्रा निकाल रहे हैं। यहां सवाल यह भी उठता है कि जब कांग्रेस के पास पैसा ही नहीं आ रहा है तो राहुल गांधी पार्टी की जमापूंजी को भी क्यों उड़ाने में लगे हुए हैं? हम आपको बता दें कि वित्तीय वर्ष 2022-23 के लिए कांग्रेस को 452.30 करोड़ रुपये का कुल चंदा मिला लेकिन उसमें से राहुल गांधी की कन्याकुमारी से कश्मीर तक निकाली गयी 'भारत जोड़ो यात्रा' पर 71.80 करोड़ रुपये खर्च हो गये। अब जब लोकसभा चुनाव लड़ने के लिए कांग्रेस को पैसों की जरूरत है तो राहुल गांधी अपनी यात्रा का दूसरा पार्ट निकाल रहे हैं जिस पर भारी भरकम खर्च आ रहा है। राहुल गांधी की पहली यात्रा पर औसतन प्रतिदिन 49 लाख रुपये से ज्यादा का खर्च आया था जोकि कांग्रेस पार्टी के सालाना होने वाले खर्चों का 15 प्रतिशत बैठता है। बताया जा रहा है कि इस बार भी औसतन प्रतिदिन खर्च उतना ही आ रहा है। यानि आमदनी अठन्नी और खर्चा रुपय्या। इसलिए अर्थव्यवस्था पर सरकार को बड़ा-बड़ा ज्ञान देने वाले राहुल गांधी को बताना चाहिए कि वह अपनी पार्टी की आर्थिक सेहत को क्यों बिगाड़ने पर तुले हैं?

जहां तक इंडी गठबंधन की बात है तो सबको दिख ही रहा है कि यह टूट की कगार पर पहुँच चुका है। कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों ने जब अपने गठबंधन का नाम इंडिया रखा था तब कुछ लोगों ने आपत्ति जताई थी लेकिन कांग्रेस ने उनको खारिज करते हुए 'जीतेगा इंडिया' स्लोगन दे दिया था। अब जब यह गठबंधन टूट की कगार पर है तो कहा जा रहा है कि इंडिया गठबंधन बिखर गया, इंडिया गठबंधन धराशायी। जरा सोचिये इंडिया नाम के साथ ऐसी उपमाएं सुन कर और पढ़ कर कितना दुख होता है। जो लोग कहते थे कि इंडिया की बजाय इंडी गठबंधन बोलने वाले लोग गोदी मीडिया हैं शायद उनको भी आज समझ आ गया होगा कि इंडी नाम क्यों बोला जा रहा था। इंडी इसलिए बोला जा रहा था क्योंकि इस गठबंधन का यह हश्र होना पहले से नजर आ रहा था, इसलिए देश के नाम के साथ टूटने या बिखरने जैसा शब्द जोड़ना पड़े इससे बचने के लिए पहले से ही इंडी गठबंधन लिखा और बोला जा रहा था। बहरहाल, इंडी गठबंधन के हश्र को देखते हुए सरकार को कोई व्यवस्था करनी चाहिए ताकि भविष्य में गठबंधन बनाने वाली पार्टियां देश के नाम पर गठबंधन नहीं बना सकें।

स्तंभ

आम आदमी की उम्मीदों पर खरा उतरने वाला रहा इस बार का आम बजट

सुरेश हिंदुस्तानी

केंद्र सरकार ने इस बजट में व्यापारी वर्ग का भी खास ध्यान रखा है। सरकार ने आयकर को यथावत रखा है। इसी प्रकार महिलाओं के विकास पर भी जोर दिया गया है। सरकार की वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बताया कि इस बजट के माध्यम से तीन करोड़ और महिलाओं को लखपति बनाया जाएगा।

केंद्र सरकार ने अपने दूसरे कार्यकाल का अंतिम बजट प्रस्तुत कर दिया है। इस बजट में हालांकि कोई व्यापक परिवर्तन नहीं किया है, लेकिन जिस प्रकार पिछले बजट के कारण भारत की दशा और दिशा सुधरी हुई दिखाई देती है, वैसी ही राह का अनुसरण इस बार के बजट में किया गया है। उल्लेखनीय है कि पिछले बजटों के माध्यम से भारत ने अर्थ व्यवस्था के मामले में नए कीर्तिमान बनाते हुए एक वैश्विक आयाम स्थापित किया है। जिसकी चर्चा पूरे देश में तो है ही, साथ विश्व के अनेक देश भारत के इन आर्थिक कदमों की प्रशंसा कर रहे हैं। कोरोना काल में जहां एक ओर विश्व के अनेक बड़े देशों की अर्थ व्यवस्था धराशायी हो गई थी, वहीं भारत ने सीना चौड़ा करके एक ऐसी राह का निर्धारण किया, जो भारत को विकसित बनाने में समर्थ है। इस बार का बजट भी निश्चित ही भारत को गरीबी से उबारने का सामर्थ्य पैदा करने वाला ही कहा जाएगा, क्योंकि इस बजट में केंद्र सरकार ने उन बातों पर पुनः फोकस किया जो भारत की गरीब जनता के लिए प्रगति का द्वार खोलती हैं।

केंद्र सरकार भारत की जनता को जातियों के आधार पर नहीं देखती। उसकी नजर में देश में केवल चार ही जातियां हैं। जिसमें किसान, युवा, महिला एवं गरीब ही आते हैं। यह किसी भी जाति का क्यों न हो' इसके लिए इस बजट में भी ध्यान रखा गया है। वास्तव में जिस देश में यह चार वर्ग सशक्त हो जाएं तो उस देश को प्रगति की राह पर जाने से कोई नहीं रोक सकता। मोदी सरकार के कार्यकाल में भारत ने विकास के रास्ते पर दौड़ लगाई है। इस देश में अब तक करोड़ों वास्तविक गरीबों को आवास मिला है। इसके पूर्व सरकारी सुविधा से निर्मित आवासों में बंदरबांट होता रहा है। जिसमें कई आवास नेताओं के परिजनों को ही मिल जाते थे, जो एक बड़े घोटाले का रूप ले चुका था। केंद्र की मोदी सरकार ने इसमें पारदर्शी तरीके से कार्य करते हुए उन्हीं गरीबों को आवास उपलब्ध कराए, जिनको वास्तव में जरूरत थी। यह आवास हर वर्ग को उपलब्ध कराए, फिर चाहे वह हिन्दू हो अथवा मुसलमान। सरकार भारत की समस्त जनता को अपना परिवार मानकर कार्य कर रही है। उसका नारा भी सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास ही है। इस बार के बजट में केंद्र सरकार ने प्रावधान किया है कि आगामी समय में देश के गरीब समाज को गरीबी से बाहर निकालने के लिए दो करोड़ आवास निर्मित किए जाएंगे। इससे जिन मजदूरों की आय का बड़ा हिस्सा मकान किराए के रूप में व्यय होता था, उससे बचा जा सकेगा। मोदी सरकार का यह कदम मोदी की गारंटी को पूरा करने वाला ही कहा जाएगा। इसलिए इस बजट को मोदी की गारंटी को पूरा करने वाला भी कहा जा रहा है। कुल मिलाकर इस बजट को गरीबों को सशक्त बनाने वाला बजट निरूपित किया जाए तो कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी।

केंद्र सरकार ने इस बजट में व्यापारी वर्ग का भी खास ध्यान रखा है। सरकार ने आयकर को यथावत रखा है। इसी प्रकार महिलाओं के विकास पर भी जोर दिया गया है। सरकार की वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बताया कि इस बजट के माध्यम से तीन करोड़ और महिलाओं को लखपति बनाने के लिए भी व्यापक रूपरेखा भी इस बजट में दिखाई देती है। 40 हजार सामान्य श्रेणी के कोचों को वंदे भारत की तर्ज पर विकसित किया जाएगा। जिससे भारत की गरीब जनता की रेल यात्रा आरामदायक हो सके। इसी प्रकार अधूरी पड़ी रेल परियोजना को भी बहुत जल्द पूरा करने का भी प्रावधान इस बजट में किया गया है। साथ ही तीन नई परियोजना को भी प्रस्तावित किया गया है। इससे यह बजट बहुत ही संतुलित बजट माना जा रहा है।

मोदी सरकार का यह बजट आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में उठाया गया एक ऐसा कदम माना जा रहा है। जो भारत की मजबूती के लिए नई तस्वीर निर्मित करेगा। आज भारत की जो मजबूत छवि विश्व के देशों में दिखाई दे रही है, वह वर्तमान केंद्र सरकार की आर्थिक नीतियों के कारण ही संभव हो सका है। भारत फिर से उसी राह पर उसी राह पर मजबूती के साथ कदम बढ़ा रहा है, जो विकसित भारत के सपने को पूरा करने के लिए कहा सकता है। यही कदम भारत को विश्व गुरु के सिंहासन पर आसीन करने वाला होगा।

इनसाइड

एफपीआई ने जारी रखी खरीदारी, जनवरी में अब तक 19,800 करोड़ रुपये का किया निवेश

FPI Data विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (FPI) ने शेयर बाजार में अपनी लगातार बिकवाली रोक दी और इस महीने अब तक 19800 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश किया है।मेरिका में बॉन्ड यील्ड बढ़ने के कारण विदेशी निवेशकों ने पिछले महीने 25743 करोड़ रुपये की भारतीय इक्विटी निकाली। एफपीआई ने जनवरी में डेट बाजार में 19836 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया।

नई दिल्ली। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने जनवरी में देश के डेट बाजार में 19,800 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश किया है। जेपी मॉर्गन इंडेक्स में भारत सरकार के बांड को शामिल करने के कारण छह साल में सबसे अधिक मासिक प्रवाह बन गया है। दूसरी ओर, अमेरिका में बॉन्ड यील्ड बढ़ने के कारण विदेशी निवेशकों ने पिछले महीने 25,743 करोड़ रुपये की भारतीय इक्विटी निकाली।

डिपॉजिटरी के आंकड़ें

डिपॉजिटरी के आंकड़ों के मुताबिक एफपीआई ने जनवरी में डेट बाजार में 19,836 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया। जून 2017 के बाद से यह सबसे अधिक निवेश था, जब उन्होंने 25,685 करोड़ रुपये का निवेश किया था। इससे पहले, एफपीआई ने दिसंबर में डेट बाजार में 18,302 करोड़ रुपये, नवंबर में 14,860 करोड़ रुपये और अक्टूबर में 6,381 करोड़ रुपये डाले थे।

मॉर्निंगस्टार इन्वेस्टमेंट रिसर्च इंडिया के एसोसिएट डायरेक्टर-मैनेजर रिसर्च, हिमांशु श्रीवास्तव ने कहा

जेपी मॉर्गन इंडेक्स में भारतीय सरकारी बांडों को शामिल करने के कारण जनवरी में भारतीय निश्चित आय बाजारों में एफपीआई से 2.39 बिलियन अमेरिकी डॉलर का मजबूत शुद्ध प्रवाह देखा गया। इस ऐतिहासिक समावेशन से अगले 18 से 24 महीनों में लगभग 20-40 बिलियन अमेरिकी डॉलर आकर्षित करके भारत को लाभ होने का अनुमान है। इस प्रवाह से भारतीय बांडों को विदेशी निवेशकों के लिए अधिक सुलभ बनाने और संभावित रूप से रुपये को मजबूत करने की उम्मीद है, जिससे अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा। जेपी मॉर्गन चेज़ एंड कंपनी ने पिछले साल सितंबर में घोषणा की थी कि वह जून 2024 से अपने बेंचमार्क उभरते बाजार सूचकांक में भारत सरकार के बांड को शामिल करेगी। बाजार विशेषज्ञों ने कहा कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का वित्त वर्ष 2025 के लिए राजकोषीय घाटे को सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 5.1 प्रतिशत तक कम करने का लक्ष्य आगे चलकर ऋण बाजार के लिए स्पष्ट रूप से सकारात्मक है।

1 फरवरी को पेश हुआ अंतरिम बजट

अंतरिम बजट में सीतारमण ने कोई नई घोषणा नहीं की है। सरकार को राजकोषीय घाटे को अगले वित्त वर्ष में सकल घरेलू उत्पाद का 5.1 प्रतिशत और वित्त वर्ष 2026 में 4.5 प्रतिशत तक कम करने में मदद मिलेगी।

केंद्रीय मंत्री ने जानी PLI योजना की प्रगति, बोले- देश को मैन्यूफैक्चरिंग महाशक्ति बनाना उद्देश्य

परिवहन विशेष न्यूज

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि पीएलआई लागू करने का उद्देश्य भारत को मैन्यूफैक्चरिंग महाशक्ति बनाना है और इसके लिए अभी एक लंबी यात्रा तय करनी है। यह सिर्फ एक शुरुआत की तरह है। केंद्रीय मंत्री ने सुझाव दिया कि उद्योग धीरे-धीरे वैश्विक बाजारों पर ध्यान केंद्रित करे और भारत के बड़े घरेलू बाजार के आराम से बाहर आए।

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शनिवार को कहा कि उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना उद्योगों के लिए केवल शुरुआत होगी। आगे चलकर उद्योगों को प्रतिस्पर्धा का सामना करना ही होगा।

14 क्षेत्रों से जुड़ी पीएलआइ योजना की प्रगति पर आयोजित बैठक में केंद्रीय मंत्री ने उद्योगों से योजना के बेहतर कार्यान्वयन के लिए रचनात्मक आलोचना और प्रतिक्रिया भी साझा करने को कहा।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि पीएलआई लागू करने का उद्देश्य भारत को मैन्यूफैक्चरिंग महाशक्ति बनाना है और इसके लिए अभी एक लंबी यात्रा तय करनी है। उन्होंने उद्योग जगत के प्रतिनिधियों से कहा कि हम आपको पीएलआई के जरिये सरकारी सब्सिडी पर निर्भर नहीं बनाना चाहते हैं।

वैश्विक बाजारों पर करें ध्यान केंद्रित

यह सिर्फ एक शुरुआत की तरह है। केंद्रीय मंत्री ने सुझाव दिया कि उद्योग धीरे-धीरे वैश्विक बाजारों पर ध्यान केंद्रित करे और भारत के बड़े घरेलू बाजार के आराम से बाहर आए। उन्होंने कहा कि अधिक दूरदर्शी प्रयास से पैमाना, मात्रा और लागत प्रभावशीलता बढ़ाने में मदद मिलेगी।

मोबाइल और व्हाइट गुड्स का मुल्यवर्धन

उन्होंने कहा कि हम आपके सहयोगी और साझेदारों की भी तलाश कर रहे हैं। बैठक में औद्योगिक नीति एवं संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) के सचिव राजेश कुमार सिंह ने कहा कि पीएलआई को लेकर कुछ समस्याएं सामने आई हैं और सरकार इनको लेकर काम कर रही है। उन्होंने कहा कि इस योजना से घरेलू स्तर पर मोबाइल और व्हाइट गुड्स जैसे क्षेत्रों में मूल्यवर्धन हुआ है। बैठक में उद्योग जगत के 1,200 से अधिक प्रतिनिधि मौजूद रहे।

M-CAP: टॉप-10 कंपनियों में से आठ का एमकैप 2.90 लाख करोड़ रुपये चढ़ा, RIL को हुआ सबसे ज्यादा फायदा

M-Cap पिछले कारोबारी हफ्ते में शेयर बाजार हरे निशान पर बंद हुआ है। देश में टॉप-10 कंपनियों में से 8 का संयुक्त बाजार मूल्यांकन पिछले सप्ताह अवकाश अवधि में 2.90 लाख करोड़ रुपये बढ़ गया। इसमें रिलायंस इंडस्ट्रीज सबसे अधिक लाभ में रही। पिछले हफ्ते बीएसई बेंचमार्क सेंसेक्स 1384.96 अंक या 1.95 फीसदी उछला। इस रिपोर्ट में विस्तार से पढ़ें।

नई दिल्ली। Stock Market Investors Wealth: देश में टॉप-10 कंपनियों में से 8 का संयुक्त बाजार मूल्यांकन पिछले सप्ताह अवकाश अवधि में 2.90 लाख करोड़ रुपये बढ़ गया। इसमें रिलायंस इंडस्ट्रीज सबसे अधिक लाभ में रही। पिछले हफ्ते बीएसई बेंचमार्क सेंसेक्स 1,384.96 अंक या 1.95 फीसदी उछला।

शीर्ष 10 पैक में से रिलायंस इंडस्ट्रीज, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, इंफोसिस, एलआईसी, भारतीय स्टेट बैंक और हिंदुस्तान यूनिलीवर के एम-कैप में बढ़ गए, जबकि भारती एयरटेल और आईटीसी को अपने मूल्यांकन में गिरावट का सामना करना पड़ा।

किस फर्म के एमकैप में हुई कितनी बढ़त

रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण 1,38,290.85 करोड़ रुपये बढ़कर 19,72,028.45 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। पिछले सप्ताह कंपनी के शेयरों में 7.54 फीसदी का उछाल आया। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (TCS) ने 57,867.9 करोड़ रुपये जोड़े, जिससे इसका मूल्यांकन 14,51,307.84 करोड़ रुपये हो गया।

भारतीय स्टेट बैंक का बाजार मूल्यांकन 33,467.29 करोड़ रुपये बढ़कर 5,80,456.76 करोड़ रुपये और भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) का बाजार मूल्यांकन 26,153.87 करोड़ रुपये बढ़कर 5,97,490.91 करोड़ रुपये हो गया। आईसीआईसीआई बैंक का एमकैप 10,522.67 करोड़ रुपये बढ़कर 7,19,033.83 करोड़ रुपये और इंफोसिस का एमकैप 9,566.79 करोड़ रुपये बढ़कर 7,03,024.44 करोड़ रुपये हो गया।

एचडीएफसी बैंक का मूल्यांकन 8,771.34 करोड़ रुपये बढ़कर 10,98,772.65 करोड़ रुपये और हिंदुस्तान यूनिलीवर का 5,627.27 करोड़ रुपये बढ़कर 5,76,601.44 करोड़ रुपये हो गया। हालांकि, आईटीसी का एमकैप 18,931.64 करोड़ रुपये घटकर 5,49,330.64 करोड़ रुपये और भारती एयरटेल का एमकैप 5,231.18 करोड़ रुपये घटकर 6,47,176.65 करोड़ रुपये रह गया.

टॉप-10 कंपनियों की रैंकिंग

रिलायंस इंडस्ट्रीज देश की सबसे मूल्यवान कंपनी है। इसके बाद टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, इंफोसिस, भारती एयरटेल, एलआईसी, भारतीय स्टेट बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर और आईटीसी हैं।

12 फरवरी से शुरू होगी ये गोल्ड बॉन्ड स्कीम, चेक करें बेनेफिट्स

अगर आप गोल्ड खरीदना चाहते हैं लेकिन असली-नकली की पहचान नहीं जानते और इंवेस्ट करने से डरते हैं तो हम आपको सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड स्कीम के बारे में बताने जा रहे हैं। ये सरकार की स्कीम है जिसमें सरकार मार्केट रेट से कम दाम में गोल्ड बेचती है। सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड स्कीम की अगली तारीख 12 फरवरी तय की गई है। आइये इसके फायदे के बारे में जानते हैं।

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। सरकार भारतीय नागरिकों के हित में सोचते हुए अक्सर ऐसी स्कीम और योजनाएं निकालती रहती है, जो उनके लिए फायदेमंद होती है। सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड (SGBs) भी इसमें से ही एक है, जिसे सरकार ने 2015 में शुरू किया था।

इस स्कीम के जरिए आप मार्केट से कम प्राइस में बॉन्ड की मदद से गोल्ड खरीद सकते हैं। आपको बताते चले कि ये बॉन्ड लगातार नहीं मिलते, ब्लकि सरकार समय-समय पर इसके लिए तारीख निकालती है। पिछली बार 22 दिसंबर को इसे पेश किया गया था और इस बार 12 फरवरी की तारीख तय की गई है। आइये इसके फायदें के बारे में जानते हैं।

कब और कहां से खरीदें बॉन्ड

अब सबसे पहला सवाल उठता है कि सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड कब खरीदा जा सकता है। आपको बता दें कि इस स्कीम के जरिये सरकार मार्केट रेट से कम दाम में गोल्ड बेचती है, जिस कारण इसकी एक निर्धारित तारीख होती है।

अगर आप ये बॉन्ड खरीदना चाहते हैं तो इसकी अगली सीरीज 12 फरवरी 2024 को शुरू होगी और 16 फरवरी को बंद कर दी जाएगी।

अब सवाल उठता है कि आप इसे कहा से खरीद सकते हैं तो बता दें कि सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड स्कीम को स्टॉक होल्डिंग कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (SHCIL), क्लियरिंग कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (CCIL), नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड, बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड और सभी बैंक्स के जरिए खरीदा जा सकता है। इसके अलावा इसे से भी लिया जा सकता है।

सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड के फायदे

सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड स्कीम की मेच्योरिटी का समय 8 साल का होता है और 5वें साल में आप इस बॉन्ड को निकाल सकते हैं।

अगर आप ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन करते हैं तो सरकार आपको 50 रुपये प्रति 10 ग्राम कम की छूट भी देती है।

ब्याज की बात करें तो इस बॉन्ड के तरह आपको 2.50 प्रतिशन का ब्याज मिलता है। आपको बता दें कि इसमें गोल्ड की कीमत पिछले तीन दिनों के सोने के भाव के आधार पर सोने की कीमत तय की जाती है।

ये बाजार में जाकर गोल्ड खरीदने या गोल्ड ईटीएफ में निवेश की तुलना सस्ता होता है, जिससे आपके पॉकेट पर भी कम असर पड़ता है।

इसके अलावा ये सोने में निवेश का एक बेहतरीन तरीका है, जिसमें आपको सुरक्षा की गारंटी भारत सरकार देती है।।

जीएसटी अधिकारियों के साथ नहीं रजिस्टर तंबाकू पैकिंग मशीनें, निर्माताओं को देना पड़ेगा 1 लाख का जुर्माना

तंबाकू उत्पादों के निर्माताओं ने अगर अपनी पैकिंग मशीनरी को पंजीकृत नहीं कराया है तो उन्हें जीएसटी अधिकारियों को जुर्माना देना होगा। जीएसटी विभाग द्वारा उठाया ये कदम का उद्देश्य तंबाकू विनिर्माण क्षेत्र में राजस्व मे आ रही कमी को रोकना है। साल 2024 के वित्त विधेयक में केंद्रीय जीएसटी अधिनियम में संशोधन पेश किया है जिसमें ये फैसला लिया गया है।

नई दिल्ली। यदि आप पान मसाला, गुटका और तंबाकू व्यापारी निर्माता हैं तो ये खबर आपके लिए है। जीएटी विभाग ने अब नई एडवाइजरी जारी की है। तंबाकू उत्पादों के निर्माताओं ने अगर अपनी पैकिंग मशीनरी को पंजीकृत नहीं कराया है तो उन्हें जीएसटी अधिकारियों को जुर्माना देना होगा। जीएसटी विभाग द्वारा उठाया ये कदम का उद्देश्य तंबाकू विनिर्माण क्षेत्र में राजस्व रिसाव को रोकना है।

2024 के वित्त विधेयक में केंद्रीय जीएसटी अधिनियम में संशोधन पेश किया है, जहां निर्माताओं को अधिकारियों को एक लाख का जुर्माना देना होगा। उसमें रजिस्टर नहीं होने वाली प्रत्येक मसीनरी को एक लाख का जुर्माना लगाया जाएगा।

पहले नहीं था कोई जुर्माना

इसके अलावा, ऐसी गैर-अनुपालन मशीनरी को कुछ मामलों में जब्ती और जब्ती के जोखिम का सामना करना पड़ेगा। जीएसटी परिषद की सिफारिश के आधार पर, कर अधिकारियों ने पिछले साल तंबाकू निर्माताओं द्वारा मशीनों के पंजीकरण के लिए एक विशेष प्रक्रिया अधिसूचित की थी। इन मशीनों की पैकिंग क्षमता के साथ मौजूदा पैकिंग मशीनों, नई स्थापित मशीनों का विवरण फॉर्म जीएसटी एसआरएम-आई में प्रस्तुत करना होगा। हालाँकि, इसके लिए कोई दंड अधिसूचित नहीं किया गया था।

देना होगा इतना जुर्माना

राजस्व सचिव संजय मल्होत्रा ने कहा कि जीएसटी परिषद ने पिछली बैठक में निर्णय लिया था कि पान मसाला, गुटखा और इसी तरह के उत्पादों के लिए उनकी मशीनों का पंजीकरण होना चाहिए ताकि हम उनकी उत्पादन क्षमता पर नजर रख सकें। मल्होत्रा ने बताया कि हालांकि, पंजीकरण में विफल रहने पर कोई जुर्माना नहीं था। इसलिए परिषद ने फैसला किया था कि कुछ जुर्माना होना चाहिए। यही कारण है कि वित्त विधेयक में मशीनों का पंजीकरण नहीं कराने पर एक लाख रुपये तक का जुर्माना लगाते हैं।

कर चोरी रोकने के लिए लिया गया फैसला

पिछले साल फरवरी में केंद्रीय वित्त मंत्री की अध्यक्षता और राज्यों के समकक्षों वाली जीएसटी परिषद ने पान मसाला और गुटखा व्यवसायों में कर चोरी रोकने पर राज्य के वित्त मंत्रियों के एक पैनल की रिपोर्ट को मंजूरी दे दी थी।

राजस्व को भी देना है बढ़ावा

जीओएम (मंत्रियों के समूह) ने सिफारिश की थी कि राजस्व के पहले चरण के संग्रह को बढ़ावा देने के लिए पान मसाला और चबाने वाले तंबाकू पर मुआवजा उपकर लगाने की व्यवस्था को यथामूल्य से एक विशिष्ट दर-आधारित लेवी में बदल दिया जाए। इसके बाद, सरकार वित्त विधेयक, 2023 में संशोधन लेकर आई थी, जिसके अनुसार पान मसाला और तंबाकू के अन्य रूपों पर उनके खुदरा बिक्री मूल्य की उच्चतम दर पर जीएसटी मुआवजा उपकर लगाया जाएगा।

इन वजहों से आरबीआई ने लगाया पेटीएम पेमेंट्स बैंक पर बैन, 1 पैन कार्ड पर थे 1000 अकाउंट

RBI के द्वारा पेटीएम पेमेंट्स बैंक को कई प्रमुख कारणों से बैन किया गया है। इसका इस्तेमाल बहुत से ऐसे लोग कर रहे थे जिनके अकाउंट की केवाईसी प्रक्रिया भी पूरी नहीं की गई थी और इनके जरिये लेनदेन भी किया जा रहा था। ऐसे में गलत गतिविधि होने की स्थिति पैदा हो रही थी। जिसको लेकर आरबीआई ने ये फैसला लिया है।

नई दिल्ली। पेटीएम पेमेंट्स बैंक में जमा राशि को 29 फरवरी तक इस्तेमाल किया जा सकता है। उसके बाद इसकी सर्विस पूरी तरह से बंद हो जाएंगी। बता दें पिछले महीने रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (RBI) ने इस पर बैन लगा दिया था। अब ऐसे में लोगों के जेहन में सवाल आ रहा है कि आखिर वे कौन से कारण रहे जिसकी वजह से पेटीएम पेमेंट्स बैंक को यह सब झेलना पड़ा। यहां इसी के बारे में बताने वाले हैं।

किन कारणों से बैन हुई पेटीएम पेमेंट्स बैंक

आरबीआई के द्वारा पेटीएम पेमेंट्स बैंक को कई प्रमुख कारणों से बैन किया गया है। इसका इस्तेमाल बहुत से ऐसे लोग कर रहे थे जिनके अकाउंट की केवाईसी प्रक्रिया भी पूरी नहीं की गई थी और इनके जरिये लेनदेन किया जा रहा था। ऐसे में गलत गतिविधि होने की स्थिति पैदा हो रही थी। जिसको लेकर आरबीआई ने ये फैसला लिया।

1 पैन कार्ड पर अनेकों अकाउंट्स

एक रिपोर्ट में कहा गया है कि पेटीएम पेमेंट्स बैंक में 1 ही पैन कार्ड पर 1000 से भी अधिक यूजर्स अकाउंट का इस्तेमाल कर रहे थे और इनके द्वारा नियमों का भी पालन नहीं किया जा रहा है। RBI और ऑडिटर्स ने जब इसकी जांच की तो उसमें कई ऐसी चीजें पाई गईं जो आरबीआई के नियमों से मेल नहीं खाती थीं।

ई-वॉलेट के 31 करोड़ इनएक्टिव यूजर्स

इतना ही नहीं पेटीएम पेमेंट्स के पास वर्तमान में 35 करोड़ से अधिक ई-वॉलेट हैं और हैरानी वाली बात है कि इनमें से 31 करोड़ यूजर्स बिल्कुल भी एक्टिव नहीं है। जबकि बचे हुए 4 करोड़ यूजर्स के द्वारा इसे इस्तेमाल किया जा रहा है। इसमें से कुछ ऐसे भी अकाउंट्स हैं जिनकी केवाईसी प्रक्रिया भी पूरी नहीं हुई है।

तेल भरवाने से पहले चेक करें आज आपके शहर में किस भाव बिक रहा पेट्रोल और डीजल, देखें लिस्ट

4 फरवरी को पेट्रोल और डीजल की कीमतें अपडेट हो गई हैं। इनमें बहुत ज्यादा बदलाव नहीं हुआ है। देश की राजधानी में रविवार को पेट्रोल 96.72 रुपये प्रति लीटर और डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है। वहीं कोलकाता में पेट्रोल की कीमत 106.03 रुपये और डीजल 92.76 रुपये प्रति लीटर के दाम पर मिल रहा है।

नई दिल्ली। पेट्रोल और डीजल की कीमतें रविवार को भी अस्थिर रही। तेल कंपनियों की ओर से 4 फरवरी के लिए पेट्रोल और डीजल के अपडेटेड कीमत जारी कर दी गई हैं। इनमें बहुत ज्यादा बदलाव नहीं किया गया है। यहां हम आपको देश के प्रमुख शहरों में आज तेल किस भाव बिक रहा है, इसकी जानकारी दे रहे हैं।

चार प्रमुख महानगरों में तेल की कीमतें

दिल्ली - राजधानी दिल्ली में रविवार को पेट्रोल 96.72 रुपये और डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है।

मुंबई - आर्थिक राजधानी की बात करें तो यहां पेट्रोल 106.31 रुपये और डीजल 92.27 रुपये प्रति लीटर के भाव मिल रहा है।

कोलकाता - पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपये और डीजल 92.76 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है।

चेन्नई - चेन्नई में रविवार को पेट्रोल 102.63 रुपये और डीजल 94.24 रुपये प्रति लीटर की कीमत पर मिल रहा है।

देश के अन्य शहरों में आज किस भाव मिल रहा तेल

गुरुग्राम - पेट्रोल 97.18 रुपये प्रति लीटर, डीजल 90.05 रुपये प्रति लीटर

नोएडा - पेट्रोल 96.59 रुपये प्रति लीटर, डीजल 89.76 रुपये प्रति लीटर

बैंगलोर - पेट्रोल 101.94 रुपये प्रति लीटर, डीजल 87.89 रुपये प्रति लीटर

भुवनेश्वर - पेट्रोल 103.19 रुपये प्रति लीटर, डीजल 94.76 रुपये प्रति लीटर

चंढ़ीगढ़ - पेट्रोल 96.20 रुपये प्रति लीटर, डीजल 84.26 रुपये प्रति लीटर

हैदराबाद - पेट्रोल 109.66 रुपये प्रति लीटर, डीजल 97.82 रुपये प्रति लीटर

जयपुर - पेट्रोल 108.48 रुपये प्रति लीटर, डीजल 93.72 रुपये प्रति लीटर

लखनऊ - पेट्रोल 96.62 रुपये प्रति लीटर, डीजल 89.81 रुपये प्रति लीटर

पटना - पेट्रोल रुपये 107.59 प्रति लीटर, डीजल 94.36 रुपये प्रति लीटर

बाइक सवार के सिर पर गिरी हाईटेंशन लाइन, तड़पकर मौत:

सिंचाई करने खेत जा रहा था, बाइक और हाथ-पैर भभके, रायपुर के लिलाम्बा गांव की घटना

जगदीश सीरवी

राजस्थान। ब्यावर रायपुर मारवाड़ खेत में सिंचाई करने जा रहे बाइक सवार किसान पर रास्ते में हाईटेंशन बिजली का तार टूटकर गिर गया। करंट की चपेट में आते ही बाइक समेत किसान आग की लपटों में घिर गया। मदद के अभाव में काफी देर तक किसान तड़पता रहा। धमाके की आवाज सुनकर आसपास के लोग पहुंचे, तब तक किसान 50 प्रतिशत झुलस चुका था। गंभीर हालत में किसान की इलाज के दौरान मौत हो गई। वहीं बाइक जलकर कबाड़ हो गई। हादसा ब्यावर जिले के रायपुर मारवाड़ के गांव लीलाम्बा में रविवार सुबह सात बजे हुआ। धमाके की आवाज सुनकर लोग मौके पर पहुंचे तब तक बाइक समेत किसान आग की लपटों में घिर चुका था।

खेत से 100 मीटर पहले हुआ हादसा

जानकारी अनुसार लीलाम्बा गांव में स्थित नवोड़ा बेरा से किसान दीपाराम सोयल (50) पुत्र चेलाराम सोयल मोपेड बाइक से कुशालपुरा रोड़ स्थित साधो की प्याऊ के पास खेत में जा रहा था। इस दौरान खेत से करीब 100 मीटर पहले रास्ते में हाईटेंशन बिजली का तार अचानक टूटकर ऊपर गिर गया। बिजली के तार के संपर्क में आते ही बाइक में आग लग गई और तेज धमका हुआ। रास्ते में आवागमन नहीं होने से आग की लपटों से घिरा किसान काफी देर तक तड़पता रहा। किसान के दोनों पैर, सिर, गर्दन व कई जगहों शरीर के अंग झुलस गए। वहीं बाइक जलकर कबाड़ हो गई।

घर से दो किलोमीटर दूर है खेत

जानकारी के अनुसार दीपाराम की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं थी। नवोड़ा बेरा स्थित घर से करीब दो किलोमीटर दूर साधो की प्याऊ के पास करीब दो बीघा जमीन है। किसानों को सिंचाई के लिए 6 बजे लाइट दी जाती है। ऐसे में किसान फसल की सिंचाई के लिए खेत में जा रहा था। इस दौरान हादसा हो गया। किसान के एक बेटा है।

इंश्युलेटर पर पानी गिरने से हुआ फॉल्ट

जिस जगह पर बिजली लाइन से हादसा हुआ वह कुशालपुरा फीडर से जुड़ी हुई है जो लीलाम्बा गांव में बिजली आपूर्ति के लिए संचालित है। बिजली विभाग के पिपलीया कलां सहायक अभियंता गौरव गुप्ता ने बताया कि हल्की बारिश के कारण इंश्युलेटर पर पानी गिरने से 11 केवी का तार फॉल्ट होकर टूटकर गिर गया। तार भी उसी समय गिरा जब किसान का इसी मार्ग से गुजरना था। कुछ समय पहले तार टूटकर जमीन पर गिरता तो शायद लाइन फॉल्ट होकर बिजली बंद हो सकती थी। गुप्ता ने बताया कि कुशालपुरा कनिष्ठ अभियंता पंकज कुमार को घटनास्थल पर भेजकर जल्द लाइन को दुरुस्त करने व किसान के साथ हुई घटना को लेकर रिपोर्ट पेश करने के निर्देश दिए।

मुआवजे की मांग

सूचना पर भाजपा किसान मोर्चा मंडल अध्यक्ष कमलेशबोहरा व लीलाम्बा निवासी हर्षवर्धन सिंह राठौड़ नेअधिकारियों से बात कर किसान के इलाज के लिए मुआवजे की मांग की है।

तेलंगाना: लोकसभा चुनाव की तैयारी में जुटी बीजेपी, फरवरी तक अन्य दलों के नेताओं के लिए खुले रखेगी दरवाजे

परिवहन विशेष न्यूज

तेलंगाना। तेलंगाना में बीजेपी ने लोकसभा चुनाव की जोरों से तैयारी शुरू कर दी है। आगामी चुनाव को देखते हुए तेलंगाना बीजेपी ने इस महीने प्रमुख हस्तियों और अन्य दलों के कई नेताओं का भगवा पार्टी में स्वागत करने का फैसला किया है। पार्टी 4 से 6 फरवरी तक राज्य के सभी लोकसभा क्षेत्रों में संसदीय प्रवास योजना भी चलाएगी।

भाजपा महासचिव तरुण चुघ करीमनगर, जहीराबाद और मेडक क्षेत्रों का दौरा करेंगे। वहीं, डीके अरुणा, बंदी संजय, के लक्ष्मण जैसे वरिष्ठ नेता अन्य क्षेत्रों को कवर करेंगे। बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष और केंद्रीय पर्यटन मंत्री जी किशन रेड्डी ने शुक्रवार को संकेत दिया कि अन्य दलों के और भी नेता भाजपा में शामिल होंगे।

जी किशन रेड्डी ने कहा कि पूरे फरवरी में हम नए लोगों को अपनी पार्टी में स्वागत करेंगे। उन्होंने कहा कि इसके लिए एक कार्ययोजना तैयार की जा रही है। पार्टी के राज्य पदाधिकारियों की बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि नेता ग्राम स्तर पर भी लोगों को जोड़ने के लिए प्रोत्साहित करें।

राज्य में राजनीतिक समीकरण तेजी से बदल रहे

उन्होंने कहा कि राज्य में राजनीतिक समीकरण तेजी से बदल रहे हैं। मिशन न केवल

अन्य दलों के नेताओं को आमंत्रित कर रहा है, बल्कि सामाजिक कार्यकर्ताओं सहित प्रमुख व्यक्तियों को भी नामांकित कर रहा है।

तमिलनाडु श्री लिलडीया भेरुजी आईमाताजी सोऽहम आश्रम पेरीयपालीयम

ब्यूरो चीफ जगदीश सीरवी

तमिलनाडु पेरीयपालीयम श्री लिलडीया भेरुजी आईमाताजी सोऽहम आश्रम के डेनीज (गठर) निर्माण कार्य के लिए सहयोग करने वाले भामाशाहओ का विवरण श्री लाबुरामजी राठौड़ वि कोटा 5100/रुपये श्री प्रेमप्रकाशजी काग गुडुपली 5100/ रुपीये श्री पुखराजजी सीरवी गुडुपली 1100/ रुपीये श्री राजेन्द्रकुमारजी सीरवी गुडुपली 5100/रुपये श्री श्री चन्द्रसिहजी पवार गुडुपली 5100/ रुपीये श्री चन्द्रप्रकाशजी गुडुपली 2100/ रुपीये श्री प्रकाशजी गुडुपली 1100/ रुपीये श्री पारसमलजी गुडुपली 1000/ रुपीये श्री संजयजी राठोड मलानुर 5100/रुपये श्री हेमारामजी लेचटा मलानुर 5100/ रुपीये श्री कल्याणरामजी पचुर 1100/रुपये इन सभी भामाशाहओ ने सहयोग राशि आश्रम के संचालक स्वामी तेजानन्द को सुपुर्द कि इस महान सहयोग के लिए सभी भामाशाहओ का आभार वह हार्दिक बधाई व उज्जवल भविष्य की शुभमगंल कामनाएं साथ हि सीरवी समाज ट्रस्ट वि कोटा के सभी पदाधिकारियों वह सदस्यों को तामीलनाडु पॉन ब्रोकर ऐवम ज्वेलर्स एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष वह श्री लिलडीया भेरुजी आईमाताजी सोऽहम के संचालक स्वामी तेजानन्द का बहुमान करने के लिए हार्दिक बधाई व उज्जवल भविष्य की शुभमगंल कामनाएं

आपका सर्वे समाज सेवादार
स्वामी तेजानन्द
प्रदेश अध्यक्ष
तामीलनाडु पॉन ब्रोकर ऐवम ज्वेलर्स एसोसिएशन
संचालक
श्री लिलडीया भेरुजी आईमाताजी सोऽहम आश्रम
एम के बी नगर पेरीयपालीयम उत्तकोटे तालुक जिला तिरुवलुर तमिलनाडु

प्रियंका गांधी सरकारी कार्यक्रम में शामिल हुईं तो....', BRS नेता कविता ने दी धमकी

परिवहन विशेष न्यूज

तेलंगाना के. कविता ने कहा कि प्रियंका गांधी अगर 500 रुपये में गैस सिलेंडर योजना का उद्घाटन करने आती हैं तो बीआरएस नेता उनके खिलाफ विरोध प्रदर्शन करेंगे. कविता ने कहा कि हमारा मुख्यमंत्री रेड्डी से सवाल है कि प्रियंका गांधी को सरकारी कार्यक्रम में क्यों बुलाया जा रहा है.

तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के ऐलान के बाद BRS एमएलसी के कविता ने एक सरकारी कार्यक्रम का उद्घाटन करने के लिए प्रियंका गांधी के अधिकारों और जिम्मेदारियों के बारे में सवाल उठाया. सीएम रेवंत रेड्डी ने ऐलान किया था कि अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (AICC) की महासचिव प्रियंका गांधी को एक योजना का

उद्घाटन के लिए आमंत्रित किया जाएगा,

के. कविता ने कहा कि प्रियंका गांधी अगर 500 रुपये में गैस सिलेंडर योजना का उद्घाटन करने आती हैं तो बीआरएस नेता उनके खिलाफ विरोध प्रदर्शन करेंगे. कविता ने कहा कि हमारा मुख्यमंत्री रेड्डी से सवाल है कि प्रियंका गांधी को सरकारी कार्यक्रम में क्यों बुलाया जा रहा है. वह कभी सांसद, विधायक या यहां तक कि सरपंच नहीं बनीं हैं. लेकिन अगर आप उन्हें किसी सरकारी कार्यक्रम में बुलाएंगे तो हम इसका विरोध करेंगे. सोनिया गांधी या राहुल गांधी आ रहे हैं, तो हम समझते हैं कि ये ठीक है, लेकिन प्रियंका गांधी को क्यों बुलाया जा रहा है.

आदिलाबाद जिले के इंद्रवेल्ली में एक सार्वजनिक बैठक को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने कहा था कि कांग्रेस चुनाव के दौरान लोगों से किए गए सभी वादों को लागू करने के लिए प्रतिबद्ध है.

नवीन ने संबलपुर में मोदी की तारीफ

मनोरंजन सासमल , स्टेट हेड ओड़िशा

भुबनेस्वर: मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने संबलपुर में नए परिसर के उद्घाटन समारोह में भाग लेने के लिए समय निकालने के लिए प्रधान मंत्री को धन्यवाद दिया। मोदी की तारीफ करते हुए नवीन ने कहा, प्रधानमंत्री ने देश को नई दिशा दी है । प्रधानमंत्री ने देश को आर्थिक महाशक्ति बनाने की दिशा में काम किया है ।मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि ओडिशा देश के स्वर्णिम काल में सबसे आगे है ।

बिलाड़ा/ स्वास्थ्य, बल और सफलता का आधार है योग

मध्यप्रदेश की योग स्पेशलिस्ट एवं हेल्थ काउंसलर सुश्री शीतल परमार सीरवी श्री आई जी विद्या मंदिर बिलाड़ा पहुंचकर योग, प्राणायाम से होने वाले शारिरिक एवं मानसिक लाभ की जानकारी देकर विधार्थियों योग के प्रति किया प्रेरित, कहा कि आप सभी करे प्रतिदिन नियमित योग, श्री आई जी विद्या मंदिर में शिक्षा ग्रहण कर रहे सभी विद्यार्थियों को कहा कि योग एक ऐसी साधना है जिसके द्वारा हम शरीर का बल तो प्राप्त करते ही है साथ ही साथ योग से हम मनोबल बढ़ा सकते हैं जिसके द्वारा हम जीवन मे किसी भी क्षेत्र में चाहे खेल का क्षेत्र हो,शिक्षा का क्षेत्र हो या कोई भी श्रेष्ठ कार्य हो उसे पूर्ण कर सकते हैं। शीतल परमार ने विद्यार्थियों को बताया की किस प्रकार योगासनों और प्राणायाम के अभ्यास से मन और शरीर को एक किया जा सकता है; मन और शरीर की एकता से अध्ययन करते समय या कोई खेल खेलते समय एकाग्र रहा जा सकता है। योग सत्र के दौरान प्रधानाध्यापक श्री पुखराज जी सीरवी, आर चौधरी (फिजिकल टीचर), दुर्गाराम जांजावत आदि मौजूद रहे।

होनहार प्रतिभा दीपिका पंवार का जेएनवीयू यूनिवर्सिटी महिला क्रिकेट टीम में हुआ चयन

परिवहन विशेष न्यूज

जोधपुर। बिलाड़ा दीपिका पंवार का जेएनवीयू जोधपुर यूनिवर्सिटी महिला क्रिकेट टीम में चयन, बिलाड़ा सीरवी मोती सिंह स्टेडियम में अभ्यास कर रही दीपिका पंवार सुपुत्री हनुमान राम पंवार ने सीरवी समाज में प्रथम बार जेएनयू यूनिवर्सिटी की महिला क्रिकेट बनी टीम में जिसमें ऑलराउंडर के रूप में चयन प्रथम बार हुआ है 97 महिला खिलाड़ियों ने ट्रायल में भाग लिया जिसमें मुख्य कोच अमान सिंह ने ट्रायल ली। पिछले 2 वर्ष से दीपिका सीरवी मोती सिंह स्टेडियम में हमेशा 6 किलोमीटर दूरी से आकर कोच सुरेंद्र सिंह काग की देखरेख में कड़ी मेहनत की व अच्छी फिटनेस कर अपने ऑलराउंड क्रिकेट खेल के प्रदर्शन कर चयनित हुई, अब वह अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय रीवा मध्य प्रदेश में वेस्ट जोन इंटर यूनिवर्सिटी वूमेन प्रतियोगिता में 4 फरवरी से 11 फरवरी 2024 तक भाग लेंगी। प्रथम बार चयन पर समस्त स्टेडियम के खिलाड़ियों में खुशी की लहर छा गई और दीपिका के खेल व कर लौटने पर उनका स्वागत भव्यता से स्टेडियम में किया जाएगा । दीपिका के चैन से और भी महिला खिलाड़ियों जो क्रिकेट खेल लिए उनको भी आशा बंधी है कि वह भी भविष्य में यूनिवर्सिटी और राजस्थान क्रिकेट टीम भारत के लिए क्रिकेट में नाम कर सकेंगे।उनके पिता हनुमान राम सीरवी खेती व सिलाई कर अपनी कमाई से दुसरी बच्चियों कोभी हमेशा खेल में सपोर्ट करते रहते हैं । इस खुशी पर बिलाड़ा विधायक श्री अर्जुन लाल गर्ग व बिलाड़ा नगर पालिका अध्यक्ष रूप सिंह परिहार वह बिलाड़ा सीरवी ग्राम सभा अध्यक्ष चेनाराम पालावत पारस जी एडवोकेट चेतन जी राकेश जी वर्मा ,डि डि सोनी ,जितेंद्र सिंह राठौड़ ने दीपिका को बधाई दी। शारीरिक शिक्षा शिक्षक संघ प्रदेश अध्यक्ष हापुराम चौधरी ने भी बधाई दी । मैनेजर मधु व कोच दौलत राम नायल होंगे टीम के साथ।

हमारा भी एक जमाना था...

हमारा भी एक जमाना था...
खुद ही स्कूल जाना पड़ता था ,
क्योंकि साइकिल बस आदि से भेजने की रीत नहीं थी, स्कूल भेजने के बाद कुछ अच्छा बुरा होगा ;
ऐसा हमारे मां-बाप कभी सोचते भी नहीं थे... उनको किसी बात का डर भी नहीं होता था,
पास/नापास यही हमको मालूम था...
% से हमारा कभी संबंध ही नहीं था...
ट्यूशन लगाई है ऐसा बताने में भी शर्म आती थी क्योंकि हमको
ढपोर शंख समझा जा सकता था...
किताबों में पीपल के पत्ते, विद्या के पत्ते, मोर पंख रखकर हम होशियार हो सकते हैं ,
ऐसी हमारी धारणाएं थी...
कपड़े की थैली में...बस्तों में..
और बाद में एल्यूमीनियम की पेटियों में...
किताब कॉपियां बेहतरीन तरीके से जमा कर रखने में हमें महारत हासिल थी.. ..
हर साल जब नई क्लास का बस्ता जमाते थे उसके पहले किताब कापी के ऊपर रद्दी पेपर की जिल्द चढ़ाते थे और यह काम...
एक वार्षिक उत्सव या त्योहार की तरह होता था.....
साल खत्म होने के बाद किताबें बेचना और अगले साल की पुरानी किताबें खरीदने में हमें किसी प्रकार की शर्म नहीं होती थी..
क्योंकि तब हर साल न किताब बदलती थी
और न ही पाठ्यक्रम...
हमारे माताजी पिताजी को हमारी पढ़ाई का बोझ है..
ऐसा कभी लगा ही नहीं....
किसी दोस्त के साइकिल के अगले डंडे पर और दूसरे दोस्त को पीछे कैरियर पर बिठाकर गली-गली में घूमना हमारी दिनचर्या थी....
इस तरह हम ना जाने कितना घूमे होंगे....
स्कूल में सर के हाथ से मार खाना, पैर के अंगूठे पकड़ कर खड़े रहना,
और कान लाल होने तक मरोड़े जाते वक्त हमारा ईगो कभी आड़े नहीं आता था....
सही बोले तो ईगो क्या होता है यह हमें मालूम ही नहीं था...
घर और स्कूल में मार खाना भी हमारे दैनंदिन जीवन की एक सामान्य प्रक्रिया थी.....
मारने वाला और मार खाने वाला दोनों ही खुश रहते थे... मार खाने वाला इसलिए क्योंकि कल से आज कम पिटे हैं
और मारने वाला है इसलिए कि
आज फिर हाथ धो लिए.....
बिना चप्पल जूते के और किसी भी गेंद के साथ लकड़ी के पटियों से कहीं पर भी नंगे पैर क्रिकेट खेलने में क्या सुख था वह हमको ही पता है...
हमने पॉकेट मनी कभी भी मांगी ही नहीं और पिताजी ने भी दी नहीं.....
इसलिए हमारी आवश्यकता भी छोटी छोटी सी ही थीं....साल में कभी-कभार एक हाथ बार सेव मिक्सचर मुरमुरे का भेल खा लिया तो बहुत होता था.....
उसमें भी हम बहुत खुश हो लेते थे.....
छोटी मोटी जरूरतें तो घर में ही कोई भी पूरी कर देता था क्योंकि परिवार संयुक्त होते थे ..
दिवाली में लोंगी पटाखों की लड़ को छुट्टा करके एक एक पटाखा फोड़ते रहने में हमको कभी अपमान नहीं लगा...
हम....हमारे मां बाप को कभी बता ही नहीं पाए कि हम आपको कितना प्रेम करते हैं क्योंकि हमको आई लव यू
कहना ही नहीं आता था...
आज हम दुनिया के असंख्य धक्के और टॉन्ट खाते हुए.....और संघर्ष करती हुई दुनिया का एक हिस्सा है..
किसी को जो चाहिए था वह मिला और किसी को कुछ मिला कि नहीं..
क्या पता..
स्कूल की डबल ट्रिपल सीट पर घूमने वाले हम और स्कूल के बाहर उस हाफ पेंट में रहकर गोली टॉफी बेचने वाले की दुकान पर दोस्तों द्वारा खिलाए पिलाए जाने की कृपा हमें याद है.....
वह दोस्त कहां खो गए
वह बेर वाली कहां खो गई....
वह चूरन बेचने वाली कहां खो गई...
पता नहीं..
हम दुनिया में कहीं भी रहे पर यह सत्य है कि हम वास्तविक दुनिया में बड़े हुए हैं
हमारा वास्तविकता से सामना वास्तव में ही हुआ है...
कपड़ों में सिलवटें ना पड़ने देना और रिश्तों में औपचारिकता का पालन करना हमें जमा ही नहीं.....
सुबह का खाना और रात का खाना इसके सिवा टिफिन क्या था ,
हमें मालूम ही नहीं...
हम अपने नसीब को दोष नहीं देते....
जो जी रहे हैं वह आनंद से जी रहे हैं
और यही सोचते हैं....
और यही सोच हमें जीने में मदद कर रही है..
जो जीवन हमने जिया...
उसकी वर्तमान से तुलना
हो ही नहीं सकती ,,,,,,,,
हम अच्छे थे या बुरे थे ,
नहीं मालूम !
पर हमारा भी एक जमाना था...

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक संजय कुमार बाटला द्वारा इम्प्रेशंस प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, सी-18,19,20 सेक्टर 59, नोएडा (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 3, प्रियदर्शनी अपार्टमेंट ए-4, पश्चिमी विहार, नई दिल्ली- 110063 से प्रकाशित। सम्पर्क : 9212122095, 9811902095. newstransportvishesh@gmail.com
(इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी) किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली के न्यायालय के अधीन होंगे। Title Code : DELHIN28985. DCP Licensing Number F.2 (P-2) Press/2023